आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 155

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

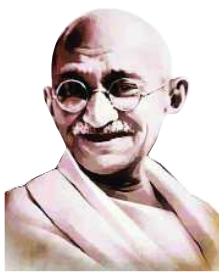

राष्ट्रपिता को नमन...

सत्यमेव जयते
अक्षय कांति बम!

अक्षय की बात
अपनों के साथ

न्याय की राह आसान नहीं होती, लेकिन जब सच्चाई के साथ धैर्य और विश्वास जुड़ जाए, तो अंतत: जीत उसी की होती है। ऐसा ही एक मामला इंदौर के युवा भाजपा नेता अक्षय कांति बम का सामने आया है, जिन्होंने लगभग 18 वर्षों तक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद अंतत: सुप्रीम कोर्ट से राहत हासिल की।

2007 में शुरू हुआ संघर्ष-वर्ष 2007 में, जब अक्षय कांति बम महज 27 वर्ष के थे, तब उनके और उनके बुजुर्ग पिता के खिलाफ धारा 307 (हत्या के प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया गया। उस समय इस प्रकरण ने स्थानीय स्तर पर काफी चर्चा भी बटोरी। अक्षय का आरोप रहा कि यह मामला उन्हें और उनके परिवार को फंसाने के उद्देश्य से दर्ज कराया गया था। अक्सर ऐसे मामलों में लोग समझौता या पीछे हटने का रास्ता चुन लेते हैं, लेकिन अक्षय ने शुरुआत से ही न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा जताया। उन्होंने लोअर कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई जारी रखी। इस दौरान उन्हें सामाजिक, मानसिक और राजनीतिक दबावों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

व्यक्तिगत नहीं, सामूहिक जीत का संदेश-फैसले के बाद अक्षय कांति बम ने इसे केवल अपनी व्यक्तिगत जीत नहीं बताया, बल्कि उन सभी लोगों की जीत कहा, जो अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष उन्हें और अधिक मजबूत बनाकर निकला है और अब वे समाज में न्याय और सच्चाई के लिए और अधिक सक्रिय रहेंगे।

संदेश: न्याय में विश्वास बनाए रखें-यह पूरा घटनाक्रम एक बार फिर यह साबित करता है कि न्यायिक व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। भले ही प्रक्रिया लंबी हो, लेकिन सच्चाई के साथ खड़े रहने

न्यूज ब्रीफ

- कर्नाटक : मंत्रिमंडल विस्तार की अनुमति के लिए 6 मई के आसपास दिल्ली आ सकते हैं सीएम सिद्धारमैया
- इंडोनेशिया के जकार्ता में भीषण ट्रेन हादसा, 4 की मौत, कई घायल
- फिर पाक पहुंचे ईरानी विदेश मंत्री अराघची, 48 घंटे में तीसरा दौरा
- पीएम मोदी 28-29 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के दौरे पर होंगे

नजर मिशन 2028 पर
बाहरियों पर भी लगेगा दांव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में इस समय राजनीतिक नियुक्तियों का दौर चल रहा है। अब तक हुई नियुक्तियों को देखकर साफ लग रहा है कि सत्ता और संगठन का पूरा फोकस मिशन 2028 पर है। पार्टी आगामी विधानसभा में 2023 से भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। इसलिए 'बाहरियों' यानी कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं को भी राजनीतिक नियुक्यिों का लाभ दिया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता अपनी पार्टी छोडक़र भाजपा में शामिल हुए थे। उस समय इसका पार्टी को बहुत फायदा हुआ था। ऐसे में आगमी चुनावों यानी 2027 में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव और 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नेताओं की जमावट की जा रही है।

कांग्रेस से भाजपा में आए कई नेताओं को पुनर्वास की आस है। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से भाजपा के पास 28 सीट थीं। केवल छिंदवाड़ा ऐसी थी, जहां से पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के बेटे नकुल नाथ सांसद थे। यहां कांग्रेस कभी आम चुनाव में पराजित नहीं हुई थी। कमल नाथ के बेहद खास पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना समेत कई नेताओं को भाजपा अपने खेमे में ले आईर्ट तो छिंदवाड़ा सीट पर लोकसभा चुनाव में नया इतिहास भी बन गया। आदिवासी नेताओं में प्रेमनारायण ठाकुर और उनके बेटे उत्तम ठाकुर भाजपा के साथ थे। बाद में कांग्रेस के तत्कालीन विधायक कमलेश शाह भी इस्तीफा देकर भाजपा में में शामिल हो गए। दीपक सक्सेना इसेना और शाह दोनों से ही तब यह डील की गई थी कि समय आने पर उन्हें भी सत्ता में भागीदार बनाया जाएगा। हालांकि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी किसी संभावना के चलते भाजपा में आए, उनका भी पुनर्वास अब तक नहीं हो पाया है। धार से तीन बार कांग्रेस के के सांसद रहे राजूखेड़ी ने भी चुनाव से ठीक पहले भाजपा की सदस्यता ली। धार सहित आसपास के जिलों में भाजपा के पास आदिवासी चेहरों की क्रमी है, ऐसे में राजूखेड़ी के पुनर्वास की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। शिवपुरी के पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता हरिवल्लभ भी कई समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन अपना पर्चा वापस लिया और भाजपा में शामिल हो गए, जिससे इंदौर में कांग्रेस बिना प्रत्याशी के रह गई थी।

संख्या बल बढ़ा बीजेपी का सियासी फायदा कांग्रेस का

नई दिल्ली (एजेंसी) ● आम आदमी पार्टी के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 का एक साथ पाला बदलकर भाजपा में शामिल होना भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी हलचलों में से एक है। राज्यसभा सभापति ने राघव चड्ढा समेत इन सातों बागियों को भाजपा सांसद के रूप में मान्यता भी दे दी है। तकनीकी रूप से यह भाजपा के लिए एक बड़ी जीत है, क्योंकि उच्च सदन में उसका संख्या बल बढ़ गया है। लेकिन अगर सियासत की गहराई में जाकर देखा जाए तो यह बगावत भाजपा से कहीं ज्यादा कांग्रेस के लिए एक 'पॉलिटिकल जैकपॉट' साबित हो सकती है। दिल्ली से लेकर पंजाब, गुजरात और गोवा तक, अरविंद केजरीवाल की बिखरती सियासत कांग्रेस को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का सुनहरा मौका दे रही है।

कांग्रेस के लिए क्यों है यह 'सियासी लॉटरी'?

आम आदमी पार्टी का पूरा अस्तित्व ही कांग्रेस के विरोध और उसके वोट बैंक पर खड़ा हुआ है। दिल्ली में कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर केजरीवाल ने अपनी सल्तनत बनाई और फिर पंजाब में भी यही दोहराया। अब जब 'आप' के भीतर इतनी बड़ी टूट हुई है, तो कांग्रेस के उस पुराने नैरेटिव को बल मिला है, जिसमें वह केजरीवाल को भाजपा की 'बी-टीम' बताती रही है। राघव चड्ढा और उनके साथियों का सीधे भाजपा में जाना कांग्रेस के इस आरोप पर मुहर लगाने जैसा है। दिल्ली में कांग्रेस अब अपने पुराने मुस्लिम और दलित वोट बैंक को यह कहकर वापस लाने की कोशिश करेगी कि 'आप' पर भरोसा करना अंतत : भाजपा को मजबूत करना ही है।

इंदौर से चला मासूमों का काला सौदा!
40 हजार में तय होती थी जिंदगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्योपुर से इंदौर तक फैले मासूमों की तस्करी के इस खौफनाक खेल ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। हाईवे पर लावारिस हालत में मिली एक मासूम बच्ची के पीछे जो साजिश उजागर हुई है, वह किसी संगठित अपराध से कम नहीं। इस सनसनीखेज मामले में गिरफ्तार आरोपी दंपती से पूछताछ के बाद पुलिस ने इंदौर से एक और बच्ची को उनके गिरोह के चंगुल से छुड़ाया है। बताया जा रहा है कि इस मासूम को महज 40 हजार रुपये में खरीदा गया था और इसे आगे बेचने की साजिश रची जा रही थी।

महालक्ष्मी नगर में पुलिस की दबिश

यह गिरोह नवजात और छोटी बच्चियों को खरीद-फरोख्त के जरिए ठिकाने लगाने का संगठित नेटवर्क चला रहा था। इंदौर के महालक्ष्मी नगर में पुलिस की दबिश के दौरान जब इस काले कारोबार का एक और ठिकाना बेनकाब हुआ, तो वहां से एक बच्ची को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। यह खुलासा अपने आप में चौंकाने वाला है कि मासूमों की जिंदगी को बाजार की वस्तु बनाकर खुलेआम सौदेबाजी की जा रही थी।

पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ

इस पूरे कांड में शामिल आरोपियों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए पुलिस ने खरीददारों को भी नहीं बख्शा। राजगढ़ से भी एक दंपति को कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए जेल भेज दिया है। दोनों को 11 मई तक न्यायिक हिरासत में रखा जाएगा। वहीं मुख्य साजिशकर्ता दंपति और उनकी सहयोगी को पुलिस रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचा जा सके।

बच्ची को 40 हजार रुपये में खरीदा

पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया है कि उन्होंने एक और बच्ची को 40 हजार रुपये में खरीदा था। यह खुलासा इस बात का संकेत है कि यह कोई एकल घटना नहीं, बल्कि एक बड़े रैकेट का हिस्सा है, जिसमें कई जिलों तक फैला गिरोह सक्रिय है। पुलिस अब इंदौर, धार और खरगोन में लगातार छापेमारी और जांच कर रही है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल अभी भी बरकरार है। आखिर ये मासूम बच्चियां कहां से लाई जा रही थीं? इनके असली माता-पिता कौन हैं? इस रहस्य से पर्दा उठाने के लिए पुलिस ने डीएनए जांच का सहारा लिया है।

अप्रैल में ही बिजली की मांग का नया रिकार्ड बना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● तपता मौसम सिर्फ पारे के उछाल का रिकॉर्ड नहीं बना रहा बल्कि बिजली की खपत और मांग का भी नया रिकॉर्ड बन रहा है। इस वर्ष अप्रैल में ही बिजली की मांग उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इंदौर जिले में बिजली की कुल मांग 950 मेगावाट और शहर में 635 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। बीते वर्ष तक इतनी खपत मई माह में दर्ज होती थी। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ताजा आंकड़ों के अनुसार शहर और ग्रामीण मिलाकर कंपनी इन दिनों 1.75 करोड़ यूनिट बिजली आपूर्ति कर रही है। इस 950 मेगावाट की बिजली मांग में शहर की हिस्सेदारी करीब 1.40 करोड़ यूनिट प्रतिदिन यानी 635 मेगावाट की है। बीते वर्ष के अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह से तुलना की जाए तो बिजली की खपत 20 से 25 प्रतिशत ज्यादा दर्ज हो रही है। गर्मियों का पीक आने से पहले बिजली मांग का रिकॉर्ड बनना हैरान कर रहा है।

सिक्किम दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगटोक में आज सुबह युवाओं के साथ फुटबॉल खेली।

जेब में प्याज : राजा ने की महाराजा की तारीफ..?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● जेब में प्याज लेकर घूमने वाले सिंधिया के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ली चुटकी। बोले भाजपा नेता सिंधिया जी सीखें।

भाजपा के सभी नेताओं को महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया से सीखना चाहिए। सभी भाजपा के नेताओं की एयर कंडीशन कार वापस ले लेना चाहिए और उन सभी को अपनी जेब में प्याज ले कर चलना चाहिए। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जिनका जन्म इतने बड़े राज घराने में हुआ वे जिस सादगी का परिचय दे रहे हैं जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है।

गौरतलब है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक सभा के दौरान भीषण गर्मी से बचने के लिए अपनी जेब से प्याज निकालकर यह बताया था कि कितनी भी गर्मी हो, जेब में प्याज रखकर निकल जाए, कुछ नहीं होगा। उनके इसी बयान को आधार बनाकर कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजयसिंह ने भाजपा नेताओं पर तंज कसा।

मंथन वीरांगनाओं के नाम बनाम 'रेवेन्यू मॉडल' मेट्रो में अटका नामकरण का प्रस्ताव

मेट्रो स्टेशनों के नामकरण को लेकर विवाद अभी भी जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में 31 मई 2025 से मेट्रो सेवा आम नागरिकों के लिए शुरू हो चुकी है, लेकिन स्टेशनों के नामकरण को लेकर विवाद अभी भी बना हुआ है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पहले ही प्रस्तावित नामों पर आपत्ति जताते हुए इसे दिल्ली स्तर तक उठाया था। वहीं महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शहरवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए वीरांगनाओं के नाम पर स्टेशनों का नामकरण करने का समर्थन किया था।

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने शुरुआती दौर में पांच स्टेशनों के नाम अस्थायी रूप से बदले भी, लेकिन आधिकारिक रिकॉर्ड में अब भी पुराने नोटिफाइड नाम ही दर्ज हैं। इसकी प्रमुख वजह मेट्रो का 'रेवेन्यू मॉडल' है, जिसके तहत स्टेशनों के नाम के साथ कंपनियों या संस्थानों के नाम जोड़कर आय बढ़ाने की योजना बनाई गई है। फिलहाल मेट्रो प्रबंधन के लिए वित्तीय संसाधन जुटाना प्राथमिकता है, ऐसे में भावनात्मक मांग और राजस्व मॉडल के बीच संतुलन बनाना बड़ चुनौती बना हुआ है।

इन नामों की हो रही मांग

गांधी नगर स्टेशन : देवी अहिल्याबाई होलकर टर्मिनल
सुपर कॉरिडोर-6 : महारानी लक्ष्मीबाई स्टेशन
सुपर कॉरिडोर-5 : रानी अवंतीबाई लोधी स्टेशन
सुपर कॉरिडोर-4 : रानी दुर्गावती स्टेशन
सुपर कॉरिडोर-3 : रानी झलकारीबाई स्टेशन

● **देश के अन्य शहरों में भी यही मॉडल लागू**-दिल्ली मेट्रो सहित देश के अन्य शहरों में भी यही मॉडल लागू है, जहां कंपनियां नीलामी के जरिए स्टेशन के साथ अपना नाम जोड़ने का अधिकार प्राप्त करती हैं। मेट्रो संचालन के खर्च को पूरा करने के लिए इसे जरूरी माना जा रहा है।

● **विज्ञापन और ब्रांडिंग ही आय का प्रमुख स्रोत**-सूत्रों के अनुसार, इंदौर में करीब 17.2 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर पर मेट्रो संचालन के लिए सभी स्टेशन तैयार हैं। प्रत्येक स्टेशन पर 3 से 6 दुकानों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा स्टेशन परिसर, फुट ओवरब्रिज, सीढ़ियों और पिलरों पर विज्ञापन लगाए जाएंगे। 14 मेट्रो स्टेशनों के नाम के साथ भविष्य में ब्रांडिंग के तहत उपनाम जोड़े जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर एससी-3 स्टेशन को 'टीसीएस मेट्रो स्टेशन' के रूप में जाना जा रहा है।

गहराता जल संकट : पार्षद ने मांगा महापौर- कमिश्नर से पानी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● गर्मी की शुरुआत होने के साथ ही इंदौर में पानी कि किल्लत शुरू हो गई है। कई जगह पानी की समस्या देखने को मिली है। इसके कारण लोगों ने विरोध भी जताया और प्रदर्शन भी किया। ऐसी ही स्थिति वार्ड 75 में भी आ रही है, जिसके चलते यहां के पार्षद ने महापौर और नगर निगम कमिश्नर से पानी मांगा है।

उन्होंने कुछ दिनों पहले ही दोनों को लेटर भी लिखा है और 10 पानी के टैंकरों की मांग की है, ताकि लोगों को पानी उपलब्ध करा सके। दरअसल, शहर में कई जगह पानी की समस्या का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। शहर में कई जगह गर्मी के दिनों में टैंकरों से पानी की सप्लाई की जाती है, ताकि लोगों को पानी मिल सके।

वार्ड 75 में पानी की समस्या, लिख चुके हैं लेटर-वार्ड 75 में भी पानी की समस्या से लोगों को दो चार होना पड़ रहा है। इसे देखते हुए पार्षद कुणाल सोलंकी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल को लेटर चुके है और लोगों तक पानी पहुंचाने के लिए 10 टैंकरों की मांग कर चुके है।

पार्षद सोलंकी का कहना है कि गर्मी में पानी की गंभीर समस्या रहती है वार्ड का क्षेत्रफल भी काफी बड़ा और ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण रहवासियों को पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पानी की सप्लाई के लिए उन्होंने 6 छोटे और 4 बड़े टैंकर उपलब्ध कराने की मांग की है। पार्षद का कहना है कि लेटर लिखे जाने के बाद भी उन्हें टैंकर उपलब्ध नहीं हुए है।

न्यूज ब्रीफ

पशुओं से दोपहर में काम न लें, छाया और पानी की करें व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन्दौर जिले में भीषण गर्मी की स्थिति में प्रतिदिन दोपहर 11 से 04 बजे के बीच निरन्तर तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना रहता है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग इन्दौर द्वारा अपील की गई है कि उक्त समय एवं तापमान का ध्यान रखते हुए पशुओं से सेवा नहीं लेना सुनिश्चित करें एवं दोपहर के समय समस्त पालतु पशुओं को छाया वाले स्थान पर विश्राम दें। शहरी सीमा वर्तीक्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, वन अंचलों में आसपास से वन्य पशु-पक्षी भी पेयजय की आस में बस्ती में आ जाते है, उनके लिए अपने घरों की छत एवं आंगन में एवं निराश्रित श्वानों के लिए भी पेयजल रख कर अपने सामाजिक कर्तव्य निभाना चाहिए।

मध्यप्रदेश में श्रम स्टार रेटिंग पहल को मिल रही व्यापक स्वीकृति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित श्रम स्टार रेटिंग पहल को प्रदेशभर में उद्योगों से सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। इस पहल का उद्देश्य कारखानों में श्रम कानूनों के पालन को सुनिश्चित करना तथा श्रमिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना है। संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश इंदौर श्रीमती नमिता तिवारी ने बताया है कि अब तक प्रदेश के 554 कारखानों ने स्व-मूल्यांकन के माध्यम से श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त की है। इनमें बड़ी, मध्यम और लघु श्रेणी की विभिन्न विनिर्माण इकाइयाँ शामिल हैं, जो इस पहल की व्यापक स्वीकार्यता और औद्योगिक क्षेत्रों में इसके प्रभावी प्रसार को दर्शाती हैं।

पत्रकार वर्मा का हुआ सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाज सेवी एवं पत्रकार हीरालाल वर्मा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की सहमती से झुग्गी झोपडी प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष प्रहलाद महावर ने प्रदेश महासचिव नियुक्त किया। वर्मा के मनोनयन पर इन्दौर समाचार परिसर में युवा नेता एवं प्रखर वक्ता राहुल निहोरे, पूर्व तहसीलदार मदन मिमरोट, वरिष्ठ समाजसेवी राजेन्द्र गोमे, प्रकाश कुवाल, मीना श्रीवास्तव, ललित शर्मा, ज्ञानी रायकवार ने पुष्पमाला पहना तथा गुलदस्ता भेंटकर देकर बधाई दी।

जेके मैक्स पेंट्स ने किया नए कैंपेन का अनावरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जेके सीमेंट लिमिटेड की समृद्ध विरासत एवं उत्कृष्टता से प्रेरित जेके मैक्स पेंट्स ने अपने नए ब्राण्ड कैंपेन 'मैक्स करो, रिलेक्स करो', का लॉन्च किया है। पहली बार विज्ञापन में ब्राण्ड अम्बेसेडर अक्षय कुमार नज़र आएंगे। यह बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार के एसोसिएशन में ब्राण्ड के विकास का अगला चरण है, जो उनके मुख्य प्रोडक्टजेके वॉलमैक्स पुट्टी द्वारा बनी मजबूत नींव पर रोशनी डालता है। और एकऐसी कहानी के ज़रिए ब्राण्ड के मुख्य वादे को जीवंत करता है जो दर्शकों केसाथ आसानी से जुड़ सके, उन्हें लुभा सके।

'नारी वंदन पखवाड़ा' का हुआ आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किला भवन, इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण और आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी प्रो. मनीषा जोशी के निर्देशन में महिला सशक्तिकरण, जागरूकता एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'नारी वंदन पखवाड़ा' का आयोजन 10 से 25 अप्रैल 2026 तक उत्साहपूर्वक किया गया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

मिलावटखोरों पर कसेगा शिकंजा, अब तेज होगी बड़ी कार्रवाई, एफआईआर तक की जाएगी : वर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने अब निर्णायक रुख अपना लिया है। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक में स्पष्ट किया गया कि मिलावटखोरी के खिलाफ चल रहे अभियान को और तेज किया जाएगा और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सेहत से समझौता नहीं-बैठक में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। कलेक्टर वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच, सैंपलिंग और निगरानी की जाए। जहां भी खाद्य सामग्री अस्वच्छ वातावरण में बनती पाई जाएगी, वहां तत्काल सीलिंग और एफआईआर दर्ज करने जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में जिले में पहले से ही मिलावट के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है, जिसे अब और प्रभावी बनाया जाएगा। खासतौर पर गर्मी के मौसम को देखते हुए आइसक्रीम, जूस और अन्य मौसमी खाद्य पदार्थों की दुकानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आम नागरिकों को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। कलेक्टर वर्मा ने भंवरकुआ और गीता भवन जैसे छात्र क्षेत्रों का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यहां बड़ी संख्या में बाहरी जिलों के विद्यार्थी निवास करते हैं। ऐसे क्षेत्रों में खाद्य गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित की जाएगी, जिससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य से कोई समझौता न हो।

कई प्रतिष्ठानों को बंद कराया गया

बैठक में यह भी बताया गया कि 1 दिसंबर 2025 से अब तक जिले में 545 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया है और 1131 खाद्य नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इनमें 222 नमूने दूध एवं दुग्ध उत्पादों के हैं। इस अवधि में 15 से अधिक बड़ी कार्रवाई करते हुए हजारों किलो/लीटर संदिग्ध खाद्य सामग्री जब्त की गई है। कई प्रतिष्ठानों को बंद कराया गया है और अनेक मामलों में न्यायालय में प्रकरण दर्ज किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगे भी सघन जांच अभियान जारी रहेगा और जन-जागरूकता के माध्यम से लोगों को मिलावट के प्रति जागरूक किया जाएगा। इंदौर में अब मिलावटखोरी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार सख्ती देखने को मिलेगी।

पूर्वी क्षेत्र में ऐतिहासिक श्री परशुराम सनातन शोभायात्रा निकाली गई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वर्ष 2018 से पूर्वी क्षेत्र की परम्परागत शोभायात्रा निकली जा रही है। इस वर्ष सर्व ब्राह्मण युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र एवं श्री परशुराम सेना पूर्वी क्षेत्र के सयुक्त तत्वाधान में यह यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में लव जिहाद जनजागरण,जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण जैसे कई सामाजिक संदेश दिए गए। महिला सशक्तीकरण का यह यात्रा सर्वोत्तम उदाहरण रही।कई मंचों से यात्रा का स्वागत किया गया। वैभव नगर चौराहे से यात्रा प्रारंभ हुई जो मुख्य रूप से कनाडिया मेन रोड से होते हुए भगवान परशुराम जी की महाआरती के बाद समापन की गई। हजारों मातृशक्तियों के द्वारा कलश लेकर इस यात्रा में सहभागिता की। सर्व ब्राह्मण युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र अध्यक्ष राकेश जोशी के नेतृत्व में यात्रा निकाली गई। इस वर्ष यात्रा प्रभारी सुश्री नेहा शर्मा रही एवं यात्रा संयोजक श्री परशुराम सेना पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष राजेश तिवारी को बनाया गया। यात्रा की विभिन्न महिला प्रभारी में चेतना वाजपेई,स्वाति दुबे,दीक्षा चांडक,रचना शर्मा,ऊषा अरोरा,नेहा शर्मा, सीमा शर्मा,मंजू पाराशर,नेहा जोशी एवं व्यवस्था प्रभारी शिव पाराशर,राजेश दुबे,अमर चंकी पांडे,अंकित बाजपेई, राकेश दुबे,मनीष शर्मा,संजय शर्मा,प्रवीण जोशी, कमल पंडित, गौरव ठाकुर, मनीष यादव, संदीप प्रजापति, अजय कुमावत,आशीष जिनीवाल मुख्य रहे।

दौरा : मंदिर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पहले भूमि का चिन्हांकन किया जाएगा

मंदिर परिसर को 'बिजासन लोक' के रूप में विकसित करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को प्रशासनिक अमले के साथ बिजासन माता मंदिर का दौरा किया। इस दौरान नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे। महापौर ने मंदिर समिति के साथ बैठक कर मंदिर से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि बिजासन माता मंदिर इंदौरवासियों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है। विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर परिसर को एक भव्य और सुव्यवस्थित बिजासन लोक के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है। महापौर ने बताया कि मंदिर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पहले भूमि का चिन्हांकन किया जाएगा, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि मंदिर प्रशासन के पास कितनी जमीन उपलब्ध है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य किए जाएंगे। प्रस्तावित योजनाओं में तालाब का सौंदर्याकरण, श्रद्धालुओं के आवागमन की बेहतर व्यवस्था और पार्किंग सुविधाओं का विकास शामिल है।

मुख्यमंत्री से बात करेंगे

भार्गव ने यह भी कहा कि इस परियोजना को लेकर वे जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर प्रस्ताव रखेंगे। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त भूमि वन विभाग या अन्य संबंधित एजेंसियों से प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर को एक आकर्षक और सुव्यवस्थित स्वरूप देना नगर निगम और प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और स्थल की धार्मिक गरिमा भी बढ़े।

ऑब्जेक्टिव से डिस्क्रिप्टिव में किया बदलाव 64 हजार विद्यार्थी होंगे परीक्षा में शामिल

डीएवीवी फर्स्ट ईयर परीक्षाएं 12 मई से, नया पैटर्न बना छात्रों के लिए चुनौती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के प्रथम वर्ष स्नातक विद्यार्थियों की परीक्षाएं 12 मई से 30 मई तक नए पैटर्न के तहत आयोजित होंगी। इस बार परीक्षा प्रणाली और तैयारी दोनों में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिससे छात्रों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

विश्वविद्यालय के 100 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर करीब 64 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। सबसे बड़ा बदलाव ऑब्जेक्टिव से डिस्क्रिप्टिव पैटर्न में किया गया है। पिछले वर्ष तक हिंदी और अंग्रेजी के फाउंडेशन पेपर ओएमआर शीट पर 50 ऑब्जेक्टिव प्रश्नों के रूप में होते थे, लेकिन इस बार ये दोनों पेपर 100 अंकों के होंगे, जिनमें लघु एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न शामिल रहेंगे। हालांकि परीक्षा की अवधि घटाकर दो घंटे कर दी गई है।

छात्रों पर अकादमिक दबाव भी बढ़ा-इस बार छात्रों पर अकादमिक दबाव भी बढ़ा है। पहली बार प्रत्येक विद्यार्थी को 10 अनिवार्य पेपर देने होंगे। मल्टीडिसिप्लिनरी और वैल्यू एडेड विषयों के जुड़ने से विषयों की संख्या बढ़कर 401 हो गई है, जिससे व्यापक तैयारी और बेहतर समय प्रबंधन की जरूरत महसूस की जा रही है। छात्रों का कहना है कि लंबे समय से ऑब्जेक्टिव पैटर्न में परीक्षा देने के बाद अब वर्णनात्मक उत्तर लिखना उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो रहा है, जिससे असमंजस की स्थिति भी बन रही है।

परिणाम 30 जून तक-विवि प्रशासन नए विषयों के पेपर सेटिंग और मूल्यांकन से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में जुटा है। इसके बावजूद 30 जून तक परिणाम घोषित करने का लक्ष्य रखा है, जिससे यह परीक्षा सत्र छात्रों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सांवेर नगर में आदिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर में ध्वजारोहण व जिन शासन स्थापना दिवस हर्षोल्लास से संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सांवेर नगर की सुनहरी धरा पर इस वर्ष भी आदिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर में ध्वजारोहण और जिन शासन स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सोमवार को प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना, स्नात्र पूजा और सत्तरभेदी पूजा के साथ विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुए। इस अवसर पर श्रावक-श्राविकाओं ने 'पुण्याहं' और 'प्रियंतां' के जयघोष के साथ जिनालय पर नवीन ध्वजा का आरोहण अमय संजय जैन ने किया। इस अवसर पर विजय लक्ष्मी परिवार के सभी महिला पुरुष एवं समाजजन उपस्थित थे । कार्यक्रम से पहले जैन समाज के महिला-पुरुषों द्वारा प्रभात फेरी भी निकाली गई, जो नगर में भ्रमण के बाद मंदिर परिसर में समाप्त हुई। आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर का चार वर्ष पूर्व प्रतिष्ठा हुई थीं । ऋषभदेव भगवान को ही आदिनाथ के रूप में पूजा जाता है। अंजनशलाका महोत्सव के बाद पंचम वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन विशेष रूप से महत्व रखता है।

धार जिले की 'बाग प्रिंट' कला को पेरिस में मिलेगा वैश्विक मंच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कला को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये निरंतर प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश की विशिष्ट 'बाग प्रिंट' कला को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मेले ' 'फ़ोयर डे पेरिस' में प्रदर्शित किया जायेगा। यह मेला 30 अप्रैल से 11 मई 2026 तक पेरिस के पोर्टे डे वर्साय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा देशभर से चयनित पांच श्रेष्ठ शिल्पकारों में प्रदेश के नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री को शामिल किया गया है। वे इस मेले में प्रदेश की 'बाग प्रिंट' कला का प्रतिनिधित्व करते हुए मास्टर क्राफ्ट्समैन के रूप में शामिल होंगे। 'बाग प्रिंट' हस्तशिल्प भौगोलिक संकेत के अंतर्गत संरक्षित है।

इस अन्तर्राष्ट्रीय मेले में बिलाल खत्री 'बाग प्रिंट' कला का लाइव प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक प्राकृतिक रंगों, नक्काशीदार लकड़ी के ब्लॉक्स और हस्तनिर्मित तकनीकों के माध्यम से कपड़ों पर उभरती कलाकृतियों को अन्तर्राष्ट्रीय दर्शक प्रत्यक्ष देख सकेंगे।

वंदनिय आर्यिका मां पुर्णमति के साथ चला श्वान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●ऋषिकेश से अष्टापद तक 328 किमी पदयात्रा कर गुरु मां पुर्णमति संसघ के संग पहुंचा श्वान 'बिल्लू', गुरु भक्ति देख श्रद्धालु हुए भाव-विभोर। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि बद्रीनाथ, गुरु चरणों में समर्पण की अद्भुत मिसाल पेश करते हुए एक श्वान 'बिल्लू' पूज्य माता जी के संघ के साथ ऋषिकेश से अष्टापद बद्रीनाथ तक 328 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा पूर्ण कर अष्टापद पहुंचा है। बद्रीनाथ ट्रस्ट के महामंत्री कीर्ति पांड्या एवं जिनेन्द्र कासलीवाल ने बताया कि विहार यात्रा के दौरान बिल्लू की गुरु भक्ति सभी के लिए प्रेरणा बनी। माता जी के आहार ग्रहण करने से पहले बिल्लू कुछ भी ग्रहण नहीं करता तथा रात्रि विश्राम के समय माता जी के कमरे के सामने ही सोता है।

सोना कांड के बाद डीसीपी से चल रही थी खींचतान

लसूड़िया-एरोड्रम टीआई बदले, क्रिप्टो करेंसी के बाद एरोड्रम प्रभारी पर गिरी गाज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर पुलिस कमिश्नर ने सोमवार शाम सात थाना प्रभारियों के तबादलों की सूची जारी कर दी। सूची में लसूड़िया और एरोड्रम थाना प्रभारियों को हटाकर क्राइम ब्रांच भेजा गया है।

डीसीपी मुख्यालय प्रकाश परिहार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, लसूडिया टीआई तारेश सोनी को क्राइम ब्रांच भेजा गया है। उनकी जगह भंवरकुआं थाना प्रभारी रहे राजकुमार यादव को लसूड़िया की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं राजेंद्र नगर से हटाए गए टीआई नीरज बिरथरे को मल्हारगंज थाना भेजा गया है। मल्हारगंज के टीआई वीरेंद्र सिंह कुशवाह को एरोड्रम थाना प्रभारी बनाया गया है।

एरोड्रम टीआई तरुण भाटी को भी क्राइम ब्रांच भेजा गया है। तुकोगंज थाना प्रभारी जितेंद्र यादव को हटाकर वहां क्राइम ब्रांच के जितेंद्र चौहान की पोस्टिंग की गई है। जितेंद्र यादव को भी क्राइम ब्रांच भेजा गया है।

सोना कांड और क्रिप्टो करेंसी मामले के बाद कार्रवाई

लसूड़िया थाना क्षेत्र में व्यापारी गौरव जैन के यहां से 22 तोला सोना चोरी होने के मामले में थाने के स्टाफ पर आरोप लगे थे। हालांकि टीआई तारेश सोनी की भूमिका साफ बताई जा रही थी, लेकिन विभागीय खींचतान के बीच उन्हें हटा दिया गया।

एरोड्रम टीआई तरुण भाटी पर भी कई जमीन संबंधी मामलों में आरोप लगे थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री के इंदौर प्रवास के दौरान उनके थाना क्षेत्र में क्रिप्टो करेंसी लेनदेन से जुड़े युवक से रुपए छीनने का मामला सामने आया था। इस प्रकरण में तीन पुलिसकर्मियों को डीसीपी कार्यालय अटैच किया गया था। टीआई भाटी बाद में बीमारी के कारण छुट्टी पर चले गए थे। तुकोगंज टीआई जितेंद्र यादव पर भी थाना क्षेत्र में एडवाइजरी गतिविधियां चलने देने के आरोप लगे थे, जिसके बाद वे अधिकारियों की नजर में थे। वहीं नीरज बिरथरे को एक सुसाइड मामले में उनकी एसीपी ने तीन दिन के भीतर क्लीन चिट दे दी थी।

व्यापारी की पिस्टल और बैग चोरी

भंवरकुआं थाना क्षेत्र स्थित मल्हार गार्डन के बाहर व्यापारी केशव सोनी के साथ चोरी की वारदात हुई। वे रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में आए थे। इस दौरान उनकी कार का कांच फोड़कर बदमाश पिस्टल और नकदी से भरा बैग चोरी कर ले गए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

पशुओं से दोपहर में काम न लें, छाया और पानी की करें व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन्दौर जिले में भीषण गर्मी की स्थिति में प्रतिदिन दोपहर 11 से 04 बजे के बीच निरन्तर तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना रहता है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग इन्दौर द्वारा अपील की गई है कि उक्त समय एवं तापमान का ध्यान रखते हुए पशुओं से सेवा नहीं लेना सुनिश्चित करें एवं दोपहर के समय समस्त पालतु पशुओं को छाया वाले स्थान पर विश्राम दें। शहरी सीमा वर्तीक्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, वन अंचलों में आसपास से वन्य पशु-पक्षी भी पेयजय की आस में बस्ती में आ जाते है, उनके लिए अपने घरों की छत एवं आंगन में एवं निराश्रित श्वानों के लिए भी पेयजल रख कर अपने सामाजिक कर्तव्य निभाना चाहिए।

मूक परिंदों को पर्यावरण चेतना से जुड़ी 151 विशेष किट्स का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● झुलसा देने वाली गर्मी की शुरुआत को देखते हुए संस्था जीवन प्रवाह ने मूक परिंदों की प्यास और भूख मिटाने के उद्देश्य से रीगल चौराहा स्थित रानी सराय प्रांगण में अपने पर्यावरण हितैषी पुण्योदय प्रकल्प के तहत सोमवार को आम नागरिकों को भागीदार बनाते हुए पक्षियों के लिए दाना-पानी और पर्यावरण चेतना से जुडी 151 विशेष किट्स का वितरण किया। प्रत्येक किट में मिटटी के सकोरे, दाने का पैकेट, प्लास्टिक के बहिष्कार का सन्देश लिखे हुए कपडे की थैलियों एवं तुलसी का पौधा शामिल है।

रांची में आयोजित अभिज्ञा 3.0 कांफ्रेंस में पहली बार मिले 6 पुरस्कार और 3 प्रशंसा पत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित 'अभिज्ञा 3.0' वार्षिक कांफ्रेंस में वन बंधु परिषद की फ्रेंड्स ऑफ ट्रायबल सोसायटी (एफटीएस) युवा इंदौर ने पहली बार अपने समर्पण, सेवा कार्यों और नवाचार से 6 प्रतिष्ठित पुरस्कार एवं 3 प्रशंसा सम्मान प्राप्त कर एफटीएस युवा इंदौर के नाम वर्ष 2025-26 के लिए सर्वश्रेष्ठ युवा समिति का खिताब भी प्राप्त कर परिषद के इतिहास में एक नया कीर्तिमान रचा है। देश के 25 शहरों के 160 सदस्यों की मौजूदगी में देश की पहली महिला आईपीएस किरण बेदी, फिल्म थिएटर आर्टिस्ट अतुल सत्य कौशिक, रेणुका गोस्वामी एवं शैफाली वैद्य जैसी जानी-मानी हस्तियों ने भी इंदौर टीम की इन उपलब्धियों पर उनकी सराहना की।

जानकी नवमी पर भगवान श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार की सैकड़ो दीपो से हुई आरती

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●रघुनाथपुरम स्थित श्री सीता सर्वेश्वर राम मंदिर आश्रम पर श्री जानकी नवमी के पावन पर्व पर मंगलवार को अनेक आयोजन हुए। सुबह भगवान का अभिषेक हुआ, विशेष श्रृंगार कर फूल बंगला सजा, सैकड़ो दीपों से आरती हुई। साधु संत सहित भक्त सम्मिलित हुए। श्रीमद् जगद्गुरू द्वाराचार्य अग्र मलूकपीठाधीश्वर श्री राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज के आशीर्वाद से आयोजन हुआ। ट्रस्ट के अध्यक्ष जानकी बल्लभ दास महाराज ने बताया कि सीता माता के प्राकट्य अवसर जानकी नवमी पर सुबह भगवान श्री सीता सर्वेश्वर राम दरबार का आचार्यो व पंडितो द्धारा वैदिक मन्त्रोच्चार के बीच दूध,दही, शहद, पंचामृत से अभिषेक हुआ, अभिषेक पश्चात भगवान का दरबार मोगरा व गुलाब सहित अनेक किस्म के फूलो से सजा, साथ ही भगवान का विशेष श्रृगांर हुआ।

आदिवासियों की 44 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्री का कब्जा

किसान बोले- जिला प्रशासन ने नियमों को ताक पर रखकर कृषि भूमि को नजूल घोषित कर दिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला प्रशासन पर 29 आदिवासी किसानों की पुश्तैनी जमीन लैंड यूज नियमों को नजरअंदाज कर उद्योग को लीज पर देने का आरोप है। किसानों का दावा है कि उनकी कृषि भूमि को गलत तरीके से नजूल भूमि घोषित कर दिया गया, जिससे 29 परिवार अब मजदूरी करने को मजबूर हैं। बेबस किसानों ने अब न्याय के लिए कोर्ट की शरण ली है।

पूरा मामला पीथमपुर के पास काली बिल्लोद स्थित खसरा नंबर 278 की करीब 44 एकड़ की जमीन का है। 1976 में सरकार ने 29 अनुसूचित जनजाति के परिवारों को शासन की एक योजना के तहत यह जमीन अलॉट की गई थी। उस समय शासन ने इन परिवारों को वन भूमि पर काबिज मानते हुए पट्टे दिए थे। राजस्व विभाग ने इन्हें राजस्व भूमि मानकर भू-

अधिकार प्रमाण भी जारी किए थे। मामले में वारिसों के नामांतरण में लापरवाही बरतने और दस्तावेजों में कथित हेरफेर करने का भी आरोप है। इसी का फायदा उठाकर भूमि के रिकॉर्ड में बदलाव किए गए। दरअसल, मार्च 2025 में इस जमीन को पहले औद्योगिक केंद्र विकास निगम (एकेवीएन) को हस्तांतरित किया गया और बाद में इसे 'शक्ति पंप इंडस्ट्रीज' को लीज पर दे दी गई।

कानूनों का खुला उल्लंघन

प्रभावित किसान चुन्नी लाल डांगी, बने सिंह भल्ला, सकाराम, मांगीलाल जोगडिया सहित सभी का कहना है कि भूमि हस्तांतरण में एससी/एसटी एक्टसहित अन्य कानूनों का पालन नहीं किया गया। आदिवासी भूमि को केवल विशेष परिस्थितियों (जैसे आपात स्थिति) में ही अधिगृहीत किया जा सकता है, लेकिन इस मामले में न तो भूमि अधिग्रहण की वैधानिक प्रक्रिया अपनाई गई और न ही ग्राम स्तर पर राय ली गई।

किसानों का कहना है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना और सुनवाई के जमीन से बेदखल करने की कोशिश की गई। मौके पर प्रशासन, पुलिस और उद्योग से जुड़े लोग पहुंचे और उन पर दबाव बनाया। मामले को आपराधिक प्रकृति का बताते हुए इनमें से 16 किसानों ने विशेष एससी-एसटी कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई।

किसानों की पैरवी कर रहे एडवोकेट ने बताया कि कोर्ट ने राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके अलावा इन्हीं किसानों द्वारा 22 अप्रैल को हाई कोर्ट में भी एक रिट याचिका दायर की गई है, जिसमें कलेक्टर के आदेश को निरस्त करने की मांग की गई है। स्पेशल कोर्ट (एससी/एसटी) में 6 अप्रैल 2026 को शिकायत दायर की गई और उसी दिन सुनवाई भी हुई। कोर्ट ने राजस्व आयुक्त इंदौर संभाग को नोटिस जारी कर 26 जून तक कोर्ट में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

आरक्षण के नाम पर भाजपा सरकार महिलाओं को गुमराह कर रही है

भाजपा की पोल खोल हल्ला बोल आंदोलन कर कांग्रेस पार्टी ने बनाई मानव श्रृंखला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव इंदौर संभाग महिला राजीव विकास केंद्र की संभागीय अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा विश्वकर्मा इंदौर शहर महिला राजीव विकास केंद्र की अध्यक्ष श्रीमती रायमुनि भगत के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने महिला आरक्षण के नाम पर देश की महिलाओं को गुमराह किए जाने के मुद्दों को लेकर भाजपा के खिलाफ शहर कांग्रेस एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा सरकार के खिलाफ हल्ला बोल पोल खोल आंदोलन कर मानव श्रृंखला बनाई गई।

मानव श्रृंखला के माध्यम से आपने कहा है कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही पूर्ण बहुमत से पारित हो चुका था लेकिन भाजपा सरकार ने इसे लागू करने के बजाय 16 अप्रैल 2026 को राजनीतिक सुविधा के अनुसार नोटिफाई किया भाजपा सरकार लगातार जनगणना और परिसीमन के बहाने महिला आरक्षण लागू करने में देरी कर रही है कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण का पूर्ण समर्थन करती है और बिना किसी देरी के आगे अगले चुनाव में वर्तमान लोकसभा सीट 543 सीट पर ही महिलाओं के 33% आरक्षण देते हुए आरक्षण की व्यवस्था लागू कर दी जाए। भाजपा सरकार की नियत आरक्षण के नाम पर महिलाओं को भ्रमित करने की है वर्ष 2023 में जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम का बिल लोकसभा में पेश हुआ था तब कांग्रेस पार्टी ने उसका समर्थन किया था तब से लेकर अब तक भाजपा की सरकार के द्वारा आरक्षण को टाला जा रहा है साथ ही अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और ओबीसी वर्ग को महिलाओं के आरक्षण लाभ देने की मांग की हैं। इन सब मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी आमजनता के बीच जाकर जनजागरण अभियान चलायेगी।

कोली समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन एवं जिला कार्यकारिणी विस्तार को लेकर बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●अखिल भारतीय कोली समाज (रजि.) नईदिल्ली के 12वें राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी एवं इन्दौर जिला शाखा के विस्तार को लेकर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष हेमराज वर्मा ने कोरी धीमान समाज धर्मशाला बड़ी ग्वालटोली में कोली/कोरी समाज के विभिन्न समूहों की बैठक प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश महावर कोली की अध्यक्षता में आयोजित की। जिसमें हेमराज वर्मा को कोरी/कोली समाज महापंचायत की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष का दायित्व प्रदेश अध्यक्ष महेश उमरैया द्वारा सौंपकर संगठन विस्तार का दायित्व सौंपा गया था, इसी दायित्व के तहत उन्होंने कोरी/कोली समाज के विभिन्न समूहों सहमती से वर्तमान में 11 प्रमुख पदाधिकारियों का चयन उनकी सहमति से किया गया, शेष 30 पदाधिकारियों के चयन के लिए जिला अध्यक्ष को अधिकृत किया गया।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस में इंदौर की बड़ी उपलब्धि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में सैनिकों के कल्याण के लिये सहायता राशि एकत्र करने में लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की गई है। जिले में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के उपलक्ष्य में सैनिकों के कल्याण के लिये वर्ष 2024-2025 में 33 लाख 83 हजार 625 रूपये की सहयोग राशि एकत्र की गई। जिले में मध्यप्रदेश शासन 20 लाख 54 हजार 600 रूपये से अधिक राशि एकत्र करने का लक्ष्य दिया गया था, जो कि लक्ष्य राशि का 165 प्रतिशत है। यह राशि पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, पूर्व सैनिकों की विधवाओं एवं उनके आश्रितों के कल्याण एवं पुनर्वास में संचालनालय सैनिक कल्याण, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा चलाई जा रही कई कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उपयोग में ली जाती है।

तालाबों और बावड़ियों का जीर्णोद्धार तथा सौंदर्यीकरण कर धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से किया जायेगा विकसित

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा (टीएल) के पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा लंबित प्रकरणों, शिकायतों एवं आवेदनों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर वर्मा ने निर्देश दिए कि शासन के निर्देशानुसार सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां भी लापरवाही पाई जाएगी, संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में इंदौर प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पंवार, रोशन राय, रिंकेश वैश्य, अपर आयुक्त नगर निगम आकाश सिंह, प्रखर सिंह, एन.एन. पाण्डे, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में बताया गया कि जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान की प्रगति की भी समीक्षा बैठक में की गई। विशेष रूप से महू क्षेत्र की गंभीर नदी के पुनर्जीवन कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि जिले की सभी बावड़ियों एवं जल संरचनाओं का संरक्षण एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता से किया जाए, ताकि जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि हो सके। साथ ही आमजन की भागीदारी सुनिश्चित कर इन स्थलों को धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित करने के प्रयास किए जाएं। बैठक में यह भी निर्देश दिये गये सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाये।

कृष्ण थीम पर हुआ खंडेलवाल स्मार्ट लेडीज सोशल ग्रुप का शपथ ग्रहण समारोह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 'धर्मो रक्षति रक्षित:' के पावन संदेश के साथ खंडेलवाल स्मार्ट लेडीज सोशल ग्रुप के वर्ष 2026-27 के नवीन सत्र का शुभारंभ भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण में किया । कृष्ण थीम पर आधारित शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मीडिया प्रभारी तनुजा खंडेलवाल ने बताया कि शपथविधि अधिकारी के रूप में लायंस क्लब की पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रश्मि गुप्ता ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष निशा खंडेलवाल, सचिव जया खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष सविता खंडेलवाल सहित अन्य पदाधिकारियों को

मोरपंख हाथ में लेकर शपथ दिलवाई। इस दौरान श्रीकृष्ण के आदर्शों—सत्य, कर्तव्यनिष्ठा एवं धर्म पालन-का अनुसरण करते हुए दायित्वों के निर्वहन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा विधि प्रकोष्ठ के सहसंयोजक राजेश खंडेलवाल तथा विशिष्ट अतिथि खंडेलवाल परिषद के अध्यक्ष लक्ष्मण कानूनगो उपस्थित रहे। अतिथियों ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाज सेवा एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

दो दिवसीय नरसिंह जयंती महोत्सव में हजारों समाजबंधु करेंगे पंचामृत से महाभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा इंदौर द्वारा 29-30 अप्रैल को आयोजित भगवान नरसिंहदेव के पावन प्राकट्य महोत्सव की सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। बुधवार 29 अप्रैल को सुबह 8 बजे छत्रीबाग स्थित प्राचीन लक्ष्मी नरसिंह मंदिर पर 21 विद्वानों के निर्देशन में पोरवाल समाज के हजारों बंधु पंचामृत से भगवान नरसिंह का महाभिषेक कर इस महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के आचार्य जगदगुरु स्वामी रामदयाल महाराज के सानिध्य में गुरुवार को छत्रीबाग मंदिर से निकाली जाने वाली भव्य शोभायात्रा के लिए भी तैयारियां अंतिम दौर में पहुँच गई हैं।

मप्र के रेल रूट पर हर ढाई घंटे में चोरी,54% अपराध महिला यात्रियों के साथ

भोपाल (एजेंसी) ● ट्रेन में किसी पर भरोसा न करें, अपनी चीजों की जिम्मेदारी खुद लें। मेरी गलती न दोहराएं, यात्रा में सतर्क रहें। यह अपील रेल यात्री अमोल रमेश धाबर्डे की है। वे महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निवासी हैं। हाल ही में झांसी और भोपाल के बीच उनका महंगा फोन चोरी हो गया था। जीआरपी के ई-एफआईआर पोर्टल के दस्तावेज खंगाले। 94 एफआईआर के मिलान के बाद आंकड़े चौंकाने वाले निकले। भोपाल, बीना, इटारसी, रानी कमलापति, विदिशा और आमला के बीच हर ढाई घंटे में एक चोरी हो रही है। इनमें 54% शिकार महिलाएं हैं। स्लीपर, जनरल और एसी 3 टियर कोच सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। पढ़ें पूरी रिपोर्ट... मध्य प्रदेश पुलिस के ई-एफआईआर पोर्टल से दैनिक भास्कर ने 8 से 12 अप्रैल 2026 के बीच भोपाल, बीना, ग्वालियर, इटारसी, रानी कमलापति, विदिशा, खंडवा और आमला थानों की 94 एफआईआर निकालीं। टीम ने हर एफआईआर को केस-वार पढ़ा और लैपटॉप, मोबाइल, जेवरात व नकदी की कीमत जोड़ी। हर ट्रेंड को क्रॉस-चेक कर आंकड़ों को दो बार वेरिफाई किया गया। विश्लेषण में पता चला कि इस रूट पर हर 2.5 घंटे में एक चोरी हुई। 94 मामलों में 54% पीड़ित महिलाएं थीं। यह पुरुषों से 8.5% अधिक है। महिलाओं से औसतन 20% अधिक कीमत का माल चोरी हुआ। बड़े मामले रानी कमलापति और बीना स्टेशन पर दर्ज हुए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

असमय गर्मी के तीखे तेवर, अप्रैल में ही छूटा पसीना, टूटा रिकॉर्ड

मौसम की अपनी गति होती है और उसमें उतार-चढ़ाव की वजहें भी प्रकृति के चक्र का हिस्सा होती हैं। मगर पिछले काफी समय से जिस तरह वैश्विक ताप में बढ़ोतरी की वजह से गर्मी के दिनों में जटिलताएं खड़ी हो रही हैं, वह निश्चित रूप से दुनिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। हर वर्ष अप्रैल में गर्मी की शुरुआत हो जाती है, लेकिन इस साल तापमान के जो तेवर दिख रहे हैं, उससे यह साफ है कि मौसम में यह उतार-चढ़ाव सामान्य नहीं है। समूचे उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है और कई शहरों में तापमान चालीस से बयालीस डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच गया है। जिन दिनों लोग मई-जून की तेज गर्मी के लिए खुद को तैयार कर रहे होते हैं, उनका शरीर धीरे-धीरे अभ्यस्त हो रहा होता है, उसमें हालत यह है कि चिलचिलाती धूप की वजह से बहुत सारे लोगों के लिए सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है और मौसम विभाग की ओर से सतर्क रहने के लिए चेतावनी जारी करनी पड़ रही है। उसने जो पूर्वानुमान जारी किया, उसके मुताबिक आने वाले कुछ दिनों के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में मिला-जुला मौसम बना रहेगा, जिसमें कहीं भीषण गर्मी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ेंगी, तो कहीं थोड़ी राहत मिल सकती है। दरअसल, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तर भारत के कई राज्यों में लू, उमस भरी गर्मी और गर्म रातों में आम लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। वहीं कुछ इलाकों में आंधी और बिजली गिरने की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। मौसम की अपनी गति होती है और उसमें उतार-चढ़ाव की वजहें भी प्रकृति के चक्र का हिस्सा होती हैं। मगर पिछले काफी समय से जिस तरह वैश्विक ताप में बढ़ोतरी की वजह से गर्मी के दिनों में जटिलताएं खड़ी हो रही हैं, वह निश्चित रूप से दुनिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दिल्ली में इस गर्मी में अधिकतम तापमान पैंतालीस डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो आमतौर पर मई के उत्तरार्ध और जून में दर्ज किया जाता रहा है। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ और तूफानों में भी कमी देखी गई, वहीं पिछले अल-नीनो के प्रभाव की वजह से गर्मी में सामान्य से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। अगले दो-तीन दिनों में हल्की बारिश और मौसम में बदलाव का अनुमान है, लेकिन जाहिर है, तापमान में व्यापक उथल-पुथल और लू की आशंकाओं के बीच तेज धूप में निकलने से बचने, पानी पीते रहने और अन्य स्तर पर सावधानी ही बचाव का बेहतर उपाय है।

संविधान की परछाई में सत्ता का खेल - राज्यसभा की नई सियासी चाल

राजनीतिक शतरंज की बिसात पर 24 अप्रैल 2026 की यह चाल सामान्य हलचल नहीं, बल्कि सत्ता और संविधान के समीकरण बदलने वाला निर्णायक प्रहार है। सात राज्यसभा सांसदों- राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक कुमार मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी-का भाजपा में विलय केवल दल-बदल नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे की सीमाओं को उजागर करने वाला संकेत है। संविधान की दसवीं अनुसूची के पैरा 4 के तहत दो-तिहाई बहुमत से इसे कानूनी वैधता मिली, हालांकि राज्यसभा सभापति की औपचारिक स्वीकृति अभी शेष है। इसके बावजूद इस कदम की रणनीतिक पृष्ठभूमि ने भारतीय राजनीति को ऐसे मोड़ पर पहुंचा दिया है, जहां नियमों के भीतर रहकर भी सत्ता संतुलन बदलता दिख रहा है। जब संवैधानिक प्रावधान रणनीति का हिस्सा बन जाते हैं, तो कानून केवल नियम नहीं रह जाता, बल्कि सत्ता का उपकरण बन जाता है-और यह इस घटनाक्रम में स्पष्ट दिखा है। आप के दस राज्यसभा सांसदों में से सात का एक साथ अलग होना केवल संगठनात्मक झटका नहीं, बल्कि उसकी संसदीय पहचान पर गहरा आघात है। राज्यसभा में उसकी मौजूदगी घटकर तीन सदस्यों तक सिमट गई है। विलय की घोषणा में चार सांसद सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए, जबकि तीन-राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक कुमार मित्तल-ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। वहीं भाजपा का आंकड़ा 113 और एनडीए का 141 तक पहुँच गया है, जिससे स्पष्ट है कि सत्ता पक्ष ने इस अवसर को अपने पक्ष में मोड़ लिया। परिणामस्वरूप, संसद में शक्ति संतुलन अब निर्णायक रूप से बदल चुका है।

सियासी नजरिए से यह घटनाक्रम एक ऐसी बारीक चाल लगता है, जहाँ नियमों की चौखट के भीतर रहकर ही विपक्ष की ताकत को प्रभावी ढंग से कमजोर कर दिया गया है—मानो 'ऑपरेशन लोटस' का सबसे सधा हुआ और कानूनी रूप सामने आया हो। राघव चड्ढा जैसे रणनीतिक चेहरों का अलग होना आप की आंतरिक संरचना को भीतर तक झकझोर देता है। यह केवल व्यक्तियों का जाना नहीं, बल्कि विचारधारा और नेतृत्व पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। केजरीवाल की राष्ट्रीय विस्तार की रणनीति

इस झटके के बाद रक्षात्मक मोड़ में आ गई है। यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि आज की राजनीति में संगठनात्मक मजबूती ही वास्तविक शक्ति है।

यह पूरा घटनाक्रम संघीय व्यवस्था की उस छिपी कमजोरी को सामने ले आता है, जहाँ किसी राज्य की राजनीतिक ताकत अंततः संसद में उसके प्रतिनिधित्व पर टिक जाती है। दिल्ली में 2025 के विधानसभा चुनाव हारकर सत्ता गंवा चुकी आप के लिए राज्यसभा ही वह आखिरी मंच था, जहाँ से वह अपनी आवाज प्रभावी ढंग से उठा सकती थी, लेकिन अब वह आधार भी लगभग हाथ से निकल गया है। नतीजतन, केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति संतुलन और अधिक केंद्र की ओर झुकता साफ दिखाई देता है। यह हालात सिर्फ आप तक सीमित नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय दलों के लिए एक स्पष्ट संकेत हैं कि मजबूत संसदीय उपस्थिति के बिना राजनीतिक अस्तित्व धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाता है।

आदर्शों की बुनियाद पर खड़ा यह मोड़ अब गहरे अंतर्विरोधों को उजागर करता है, जहाँ सिद्धांत और सत्ता का टकराव साफ दिखाई देता है। आप की पहचान स्वच्छ राजनीति, पारदर्शिता और विकेंद्रीकरण जैसे मूल्यों पर टिकी रही, पर भाजपा में विलय के बाद यही आधार नए समीकरणों में फीके पड़ते नजर आते हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि आज की राजनीति में विचारधारा पीछे छूट रही है और सत्ता व अवसर आगे बढ़ रहे हैं। केजरीवाल के सामने अब चुनौती केवल संगठन बचाने की नहीं, बल्कि अपनी मूल पहचान को फिर से गढ़ने की है। यह संघर्ष आने वाले समय में और अधिक तीखा और निर्णायक रूप ले सकता है। आगामी सियासी तस्वीर में यह घटनाक्रम INDIA गठबंधन के लिए एक तीखा चेतावनी-संदेश बनकर उभरा है, जो उसकी एकता और विश्वसनीयता पर सीधे प्रश्न खड़े करता है। किसी अहम घटक दल की ऐसी कमजोरी पूरे गठबंधन की पकड़ को ढीला कर देती है। पंजाब और दिल्ली जैसे राज्यों में पहले से कमजोर आधार के बीच यह झटका आप की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर गहरा प्रहार है। यदि समय रहते संगठनात्मक सुधार और रणनीतिक पुनर्गठन नहीं हुआ, तो यह गिरावट और तेज हो सकती है। दूसरी ओर, भाजपा के लिए यह मौका है कि वह अपने प्रभाव का दायरा और बढ़ाए, खासकर उन इलाकों में जहाँ विपक्ष पहले से बिखरा हुआ है। आगामी चुनावी दौर, विशेषकर 2027 के राजनीतिक परिदृश्य में, यह बदलाव सत्ता के समीकरणों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है। आप के सामने अब केवल नए नेतृत्व और चेहरों की खोज नहीं, बल्कि अपनी पूरी रणनीति को नए सिरे से गढ़ने की चुनौती है। केंद्र से सीधी टकराव की नीति की जगह राज्य स्तर पर गठबंधन और सहयोग की राजनीति अपनाना अधिक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है। यह समय आत्ममंथन का है, जहाँ पार्टी को अपनी कमजोरियों की पहचान कर उन्हें दूर करना होगा। वरना यह टूटन धीरे-धीरे एक स्थायी राजनीतिक पतन में बदल सकती है।

राजनीतिक इतिहास के इस निर्णायक मोड़ पर यह सात सांसदों का विलय केवल एक घटनाक्रम नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर है, जहाँ संख्या-बल और संवैधानिक प्रावधान मिलकर सत्ता की दिशा तय कर रहे हैं। राज्यसभा सभापति की स्वीकृति लंबित होने और चार सांसदों के सार्वजनिक रूप से सामने न आने के बावजूद यह स्थिति किसी एक दल की पराजय या दूसरे की विजय से कहीं आगे जाकर उस व्यापक परिवर्तन को दर्शाती है जिसमें राजनीति लगातार नए रूप ले रही है। केजरीवाल सरकार के लिए अब समय सीमित है—या तो वह इस संकट को अवसर में बदलकर स्वयं को पुनर्गठित और पुनर्जीवित करे, या फिर धीरे-धीरे राजनीतिक परिदृश्य से हाशिए पर चली जाए। अंततः, भारतीय राजनीति का भविष्य इन्हीं निर्णायक क्षणों से आकार लेगा, जहाँ हर कदम आने वाले इतिहास की नींव रखेगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत' शिक्षाविद्
बड़वानी (मप्र)

हर चौराहे पर चंद लोगों का मजा बन जाता है सैकड़ों की सजा

हम 'समय को धन' मानते हैं, शायद इसीलिए सड़कों पर हम दूसरों का समय लूटने में आनंद का अनुभव करते हैं। इंदौर जैसे जीवंत शहर की सड़कों पर रोज़ाना दिखने वाले दृश्य एक ट्रैफिक समस्या भर नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक मनोविज्ञान की विकृति का नग्न प्रदर्शन है। शायर मुज़फ़्फ़र रज्मी कैरानवी का वह कालजयी शेर 'लम्हों ने ख़ता की थी, सदियों ने सज़ा पाई' आज के दौर में ट्रैफिक सिग्नल्स पर पूरी तरह चरितार्थ होता है। मुहाने पर खड़े लोगों का चंद सेकंड का उतावलापन हज़ारों लोगों के घंटों और मानसिक शांति को लील जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार ट्रैफिक सिग्नल पर अनुशासनहीनता के पीछे तीन प्रमुख मनोवैज्ञानिक कारक काम करते हैं। पहला है मी-फर्स्ट सिंड्रोम यानी स्वार्थ का मनोविज्ञान। मनोवैज्ञानिक इसे 'इगोसेंट्रिक बायस' कहते हैं। चालक को लगता है कि उसका समय बाकियों से अधिक महत्वपूर्ण है। उसे अन्य वाहन 'बाधा' के रूप में नज़र आते है। दूसरा कारण है, सामूहिक गैर-ज़िम्मेदारी, जब हर कोई नियम तोड़ रहा होता है, तो 'अकेले मेरे सुधरने से क्या होगा?' वाला भाव जागृत होता है जो अराजकता को सामान्य और स्वीकार्य बना देता है। तीसरा बड़ा कारण है, पीछे छूट जाने का डर, वाहन चालकों में यह डर बना रहता है कि अगर उन्होंने 'कट' मारकर जगह नहीं बनाई, तो वे पीछे छूट जाएंगे और सिग्नल फिर से लाल हो जाएगा।

जब सिग्नल लाल से हरा होता है, तो सुचारु प्रवाह के लिए 'लैमिनार फ्लो' की आवश्यकता होती है। लेकिन जब कुछ चालक आड़े-तिरछे वाहन फंसा देते हैं, तो वह प्रवाह 'टर्बुलेंट' हो जाता है। शोध बताते हैं कि यदि कतार के पहले पांच वाहन अनुशासित हों, तो सिग्नल से वाहन निकलने की क्षमता 50% तक बढ़ जाती है। इसके विपरीत, मुहाने पर की गई एक छोटी सी घुसपैठ पीछे एक लंबी 'शॉकवेव' पैदा करती है, जिससे जाम की लंबाई बढ़ने लगती है। इस समस्या का समाधान केवल पुलिस द्वारा चालान काटने में नहीं, बल्कि लोगों के व्यवहार परिवर्तन में निहित है। इसके लिए जरूरी है कि लेन नियम का पालन स्वअनुशासन से किया जाय। चौराहे पर 'स्टॉप लाइन' से पहले ही वाहनों को अपनी दिशा के अनुसार खड़ा होना चाहिए। जो लेफ्ट मुड़ना चाहते हैं, वे लेफ्ट में रहें ताकि 'फ्री लेफ्ट' बाधित न हो। गलत आचरण पर रोक लगाने के लिए कैमरों की संख्या बढ़ाई जाए और 'ज़िग-ज़ैग' ड्राइविंग पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया जाना चाहिए।

जो चालक नियमों का पालन करते हैं, उन्हें 'ट्रैफिक हीरो' जैसे सम्मान दिए जाएं। साथ ही, नियम तोड़ने वालों के फुटेज सार्वजनिक स्क्रीन और सोशल मीडिया पर दिखाए जाएं।

ड्राइविंग लाइसेंस मिलने की प्रक्रिया में 'ट्रैफिक साइकोलॉजी' का एक अनिवार्य अध्याय जोड़ा जाना चाहिए। सड़क पर हमारा व्यवहार इस बात का परिचायक है कि हम कितने सभ्य और संवेदनशील हैं। यातायात जाम अचानक आसमान से नहीं टपकता; वह हमारी छोटी स्वार्थी हरकतों की पैदावार है। इंदौर को केवल स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि 'सड़क संस्कार' में भी नंबर-1 बनने की आवश्यकता है। याद रखिए, जब आप किसी मोड़ पर नियम तोड़कर आगे निकलने की कोशिश करते हैं, तो आप केवल एक वाहन से आगे नहीं निकलते, बल्कि शहर की उस व्यवस्था को पीछे धकेल देते हैं जिसका हिस्सा आप खुद हैं। अनुशासन ही वह सेतु है जो 'अराजकता' को 'सुव्यवस्था' से जोड़ता है।

-राजकुमार जैन, यातायात प्रबन्धन विशेषज्ञ

आंचलिक

धार में कलेक्टर सख्त, लंबित प्रकरणों पर पेनल्टी के निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

धार ●प्रभारी कलेक्टर अभिषेक चौधरी ने सोमवार को समय-सीमा (टीएल) पत्रों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के प्राथमिकता से निराकरण और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय-सीमा से बाहर पाए गए मामलों पर संबंधित अधिकारियों पर पेनल्टी लगाने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर संजीव केशव पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी और राजस्व अधिकारी मौजूद रहे। जल संरक्षण के लिए 'जल गंगा अभियान' की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों और आंगनवाड़ियों में वाटर टेस्टिंग की एंट्री सुनिश्चित करने तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के पूर्ण कार्यों को पोर्टल पर दर्ज करने को कहा। आगामी पौधारोपण के लिए भी सभी विभागों को पूर्व तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए। कृषि और गेहूं उपार्जन व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। प्रभारी कलेक्टर ने सभी उपार्जन केंद्रों पर बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता, हम्माल और तुलावटियों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, व्यापारियों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

श्रम विभाग की समीक्षा करते हुए, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में 18 से 40 वर्ष के असंगठित कामगारों का अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्रत्येक पंचायत में कम से कम एक व्यक्ति का पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराने पर बल दिया। बैठक में संबल योजना के लंबित पंजीयन और अनुग्रह सहायता प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के भी निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, ड्रॉप आउट बच्चों की स्थिति, स्कूलों में नए प्रवेश और जर्जर भवनों पर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। राजस्व अधिकारियों को खेतों में नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अन्य विषयों में राहवीर योजना, 'आई गॉट' प्रशिक्षण, ऑफिसर कॉलोनी में पीएनजी गैस कनेक्शन और पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण जैसे मुद्दों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग, गो सम्मान दिवस पर निकली रैली

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिला गोरक्षा समिति ने सोमवार को 'गो सम्मान दिवस' मनाया। इस अवसर पर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने और देश में गोवध पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। देशव्यापी गो सम्मान अभियान के तहत जिला मुख्यालय पर कुंदा किनारे स्थित गणेश मंदिर से एक रैली निकाली गई। इसमें संत समाज और सकल हिंदू समाज संगठन के प्रतिनिधियों सहित 500 से अधिक लोग शामिल हुए। रैली के दौरान 'गो हत्या बंद हो' और 'गाय संरक्षण' जैसे नारे लगाए गए। यह रैली दोपहर 12:30 बजे एसडीएम कार्यालय पहुंची। यहां राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम एक मांग पत्र तहसीलदार दिनेश सोनारटिया को सौंपा गया। गोरक्षा समिति के जिलाध्यक्ष सुमित राठौर ने बताया कि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने और गोवध पर प्रतिबंध लगाने की मांग राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री से की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान का पहला चरण है और यदि आवश्यकता पड़ी तो आगे आंदोलन भी किए जाएंगे। खरगोन के अतिरिक्त, कसरावद और भगवानपुरा मुख्यालयों पर भी गौरक्षकों ने रैलियां निकालीं। कसरावद में निकाली गई रैली में एक गाय को भी शामिल किया गया था।

निमरानी में उर्वरक फैक्ट्री के पास भीषण आग, हवा से आग ने लिया विकराल रूप

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● खरगोन के मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर निमरानी स्थित एक निजी कोरोमंडल उर्वरक फैक्ट्री के जंगली क्षेत्र में सोमवार दोपहर भीषण आग लग गई। तेज हवा के कारण आग ने तेजी से फैलते हुए आसपास के खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

जानकारी के अनुसार 25 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवा के कारण आग फैक्ट्री की बाउंड्रीवॉल से बाहर निकलकर पास के खेतों तक पहुंच गई। आग की चपेट में आने से आसपास के खेतों में गेहूं की थ्रेसिंग के बाद रखा लगभग 250 क्विंटल भूसा पूरी तरह जलकर राख हो गया, जिससे किसानों को नुकसान हुआ।

शॉर्ट सर्किट की आशंका, जांच जारी

फिलहाल आग लगने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। शुरुआती आशंका है कि बिजली के तारों में टकराव से निकली चिंगारी के कारण आग लगी हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलने पर कसरावद नगर परिषद की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और करीब 10 हजार लीटर पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाया। इस आगजनी की घटना में लगभग 2 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। फिलहाल प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन की ओर से तीन माह से चलाए जा रहे अभियान का हुआ समापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● यह संभवत: देश में अपने किस्म का पहला अभियान है, जिसके माध्यम से अग्रवाल समाज के साढ़े सात हजार से अधिक बंधुओं ने समय रहते मधुमेह, मोटापा, हृदय, किडनी, लीवर एवं शरीर के अन्य अंगों से जुड़ी गंभीर बीमारियों का संज्ञान लेकर स्वयं को स्वस्थ बनाने की दिशा में सार्थक पहल की है। इससे भी बड़ी बात यह है कि बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन के प्रमुख और अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के प्रमुख संरक्षक विनोद अग्रवाल ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती नीनादेवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में लगातार तीन माह तक शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में पूरी तरह निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन कर अन्य सक्षम समाजों के लिए भी एक अनुकरणीय और प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत की है जिसके लिए उनका जितना अभिनन्दन और आभार व्यक्त किया जाए, कम ही होगा। इस अनूठे सेवा प्रकल्प ने इंदौर में अग्रवाल समाज को एक नया आयाम दिया है जिसकी ख्याति अब पूरे देश में पहुँच रही है। निश्चित ही पीड़ित मानवता की सेवा की दिशा में विनोद जी अग्रवाल का यह संकल्प समाज बंधुओं के हित में किसी वरदान से कम नहीं है। अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद गोयल ने गीता भवन सत्संग सभागृह में बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन के सहयोग से श्रीमती नीना देवी अग्रवाल की पावन स्मृति में आयोजित सातवें निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं जांच शिविर के समापन सत्र में उक्त प्रेरक विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन की प्रमुख डॉ. विनिता कोठारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति एवं बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन के तत्वावधान में श्रीमती नीनादेवी की स्मृति में गत 21-22 फरवरी से यह अभियान चलाया जा रहा था।

कृषि आदान विक्रेताओं ने 8% कमीशन मांगा, व्यापारी सड़कों पर उतरे

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● कृषि आदान विक्रेता संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की। शहर के 200 से अधिक खाद, बीज और कीटनाशक व्यापारियों ने रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। हड़ताल के दौरान व्यापारियों ने संघ के बैनर तले शहर में रैली निकाली और कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इससे पहले एक बगीचे में बैठक कर रणनीति तय की गई। व्यापारियों ने उपसंचालक कृषि को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें देशव्यापी आह्वान के तहत 12 प्रमुख मांगें रखी गईं।

8% कमीशन और फ्री आपूर्ति की प्रमुख मांग

मांग पत्र में डीलर मार्जिन न्यूनतम 8 प्रतिशत करने, उर्वरकों की फ्री ऑन रोड

आपूर्ति सुनिश्चित करने और लिंकिंग-टैगिंग पर रोक लगाने की मांग शामिल है। व्यापारियों ने 'साथी' पोर्टल की अनिवार्यता खत्म करने, एचटीबीटी बीज नीति स्पष्ट करने और एक्सपायर्ड कीटनाशकों की वापसी सुनिश्चित करने की मांग उठाई। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि लंबे समय से समस्याएं लंबित हैं। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो खरीफ सीजन से पहले अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

हज यात्रियों को मिलेगी जीपीएस स्मार्ट वॉच, पहचान और लाइव लोकेशन ट्रैक करना होगा आसान

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● हज 2026 के यात्रियों को सोमवार को प्रशिक्षण दिया गया। सिंधी बस्ती स्थित एक निजी मैरिज हॉल में आयोजित इस सत्र में यात्रियों को यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस वर्ष हज कमेटी द्वारा यात्रियों को जीपीएस से लैस स्मार्ट वॉच दी जाएगी, जिससे उनकी पहचान और लोकेशन ट्रैक करना आसान होगा। यह स्मार्ट वॉच हर यात्री की कलाई पर बांधी जाएगी और इसमें एक डिजिटल कोड होगा। इसके माध्यम से प्रत्येक यात्री की पहचान सुनिश्चित होगी और उनकी लाइव लोकेशन का पता लगाया जा सकेगा। हज कमेटी का उद्देश्य यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाना है। प्रशिक्षण सत्र में हज यात्रा के दौरान अदा किए जाने वाले अरकान (धार्मिक अनुष्ठान) के बारे में विस्तार से बताया गया। यात्रियों को किसी भी परेशानी से बचने के लिए धार्मिक प्रक्रियाओं का डेमो भी करके दिखाया गया। अल बुरहानपुर टूर के ट्रेनर मिर्जा असकार उल्ला बैग, नांदेड़ ने हज यात्रियों को प्रशिक्षण दिया। इस बार हर हज यात्री को एक यूनिक नंबर भी दिया जाएगा। हज कमेटी के मतीन मोईन ने जानकारी दी कि हर साल हज यात्रा पर जाने से पहले यात्रियों को यह विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि उन्हें यात्रा के दौरान किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स में मुकाबला

चंडीगढ़ (एजेंसी) ● आईपीएल में यहां मंगलवार को पंजाब किंग्स की टीम का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का लक्ष्य अपनी घरेलू मैदान में जीत के सिलसिले को बनाये रखा रहे। पंजाब ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर प्लेऑफ में सबसे पहले जगह बनाना रहेगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर हैं और उसके पास भी वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायस्वाल जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में कप्तान रियान पराग की रॉयल्स को कमजोर नहीं माना जा सकता है।

इस मैच में रॉयल्स को जीतना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रिकी पोंटिंग के मुख्य कोच का पद संभालने और अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स काफी बेहतर हुई है। वह पिछले सत्र में उपविकेजा रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा। इस सत्र में पंजाब शुरु से ही हावी है। श्रेयस ने अच्छी कप्तानी की है पर उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। उसने इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन के लक्ष्य भी हासिल कर अपने मजबूत इरादे दिखाये थे। पंजाब किंग्स की ओर से प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर पावर प्ले में जमकर रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी पर पहले चार मैच जीतने के बाद से टीम उस निरंतरता को बनाये नहीं रखा पायी। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया जिससे भी उसपर दबाव रहेगा। ऐसे में उसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 17 जबकि पंजाब ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आंकड़ों में पंजाब भारी है।

टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी, वापसी के लिए प्रयास किया -ईशान

मुंबई (एजेंसी) ● आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली। किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा।

उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं।

गृहणियों को सम्मान देने फिल्म बनाएंगे अक्षय

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने नए क्विज रियलिटी शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून के सेट पर एक दिल छू लेने वाली घोषणा की। अक्षय कुमार ने भारत की गृहणियों को सम्मान देते हुए उन्हें घर का सुपरस्टार का खिताब दिया। उनकी प्रेरणादायक जिंदगी पर एक फिल्म बनाने की अपनी प्रबल मंशा व्यक्त की। अक्षय कुमार, जो इस लोकप्रिय शो के होस्ट हैं, ने यह घोषणा शो के दौरान की, जब सेट पर तुम हो ना नामक दूसरे रियलिटी शो की प्रतियोगी अंकिता, पूजा और दिव्या भी मौजूद थीं। इन तीनों महिलाओं से बातचीत करते हुए अक्षय ने अपनी फिल्म की परिकल्पना साझा की। उन्होंने बताया, बहुत समय से मैं एक फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा हूं। यह फिल्म महिलाओं पर आधारित होगी, जहां पूरी दुनिया उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरे पास इसकी पूरी स्क्रिप्ट तैयार पड़ी है। बस मैं इंतजार कर रहा हूं कि कोई इस फिल्म को बनाने के लिए तैयार हो जाए।

केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं : काजोल

मुंबई (एजेंसी) ● अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अनोखे रिलेशनशिप ट्रेंड्स और नए स्लैंग के कारण चर्चा में रहने वाली अभिनेत्री काजोल ने जेनजी को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। काजोल ने एक पॉडकास्ट का क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी और जेनजी के बीच के बुनियादी अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। काजोल का मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को इंटरनेट से मिलने वाले शोर से बाहर निकलकर खुद के लिए फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। उनका तर्क है कि केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं है, बल्कि अपने मूल्यों और सीमाओं को खुद परिभाषित करना ही असल परिपक्वता है। काजोल ने अपने दौर से तुलना करते हुए कहा, मुझे लगता है कि जेनजी इस समय जानकारी के ओवरलोड से गुजर रही है। हम ऐसे समय में बड़े हुए जब जानकारी बहुत सीमित हुआ करती थी। इसलिए हमें अपनी नैतिकता, सीमाएं और सही-गलत का फैसला खुद अपनी सोच से करना पड़ता था। अभिनेत्री ने आगे बताया कि आज के युवाओं के पास हर चीज के बारे में जवाब उपलब्ध हैं। हर कोई जानता है कि क्या सही है और क्या गलत है, लेकिन वे इस जानकारी के अंबार में इस कदर खोए हुए हैं कि वे यह तय नहीं कर पा रहे।

उज्जैन संभाग

स्ट्रीट लाइट पर अवैध वसूली, निगम कर्मचारी वेंडरों से ले रहा था 200 महीना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नगर निगम के एक आउटसोर्स कर्मचारी द्वारा अवैध वसूली का मामला सामने आया है। जिस स्ट्रीट लाइट का बिल निगम भर रहा था, उसे चालू रखने के बदले कर्मचारी स्ट्रीट वेंडरों से 200 रुपए प्रति माह वसूल रहा था। मामला तब उजागर हुआ, जब सब्जी मंडी में लाइट बंद होने की शिकायत सामने आई। शिकायत मिलने पर महापौर मुकेश टटवाल फ्रीगंज सब्जी मंडी पहुंचे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि निगम का आउटसोर्स कर्मचारी धीरज स्ट्रीट लाइट के पोल से सब्जी विक्रेताओं को अलग से कनेक्शन देकर उनसे 200 रुपए मासिक वसूल रहा था। विरोध करने पर उसने लाइट बंद करवा दी। सब्जी विक्रेता बाबू रायकवार ने बताया कि वे दो-तीन दिन से शिकायत कर रहे थे, लेकिन कर्मचारी पैसे देने पर ही लाइट चालू करने की बात कहता था। उसने गणेशपुरा तक कई लोगों को इस तरह कनेक्शन दे रखे थे। मामले की जानकारी मिलते ही महापौर ने नगर निगम आयुक्त को अवगत कराते हुए मंडी के सभी व्यापारियों की लाइट जल्द चालू कराने के निर्देश दिए और दोषी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही।

मरीज की मौत के बाद अस्पताल पहुंची जांच टीम, एक्सीडेंट के बाद कराया था भर्ती

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●फ्रीगंज स्थित हॉस्पिटल में 22 अप्रैल को मरीज की मौत के बाद हंगामा हो गया था। परिजनो ने अस्पताल प्रबंधन की शिकायत की थी। इस मामले में सोमवार को सीएमएचओ उज्जैन के निर्देश पर डॉक्टरों का एक दल एमपी अस्पताल में पहुंचा और यहां दोनों पक्षों को सुना गया। अब आगे की कार्रवाई के लिए सीएमचओ को जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी। दरअसल, बुधवार रात को बाइक सवार प्रताप आंजना को महामृत्युंजय द्वार के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। जिसके बाद कुछ लोगों ने उनकी मदद की और उन्हें एमपी अस्पताल में भर्ती कराया था। सुबह प्रताप की मौत की खबर सुनने के बाद उसके परिजन अस्पताल पहुंचे और उन्होंने हंगामा कर दिया। आरोप लगाया कि हाथ और पैर में फ्रैक्चर था। सुबह चार बजे भी प्रताप ने बात की, इसके बाद सुबह अचानक डॉक्टरों ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। परिवार वालों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाकर कार्यवाही के लिए सीएमएचओ को शिकायत दर्ज कराई थी। घटना के बाद सोमवार को डॉ. विक्रम रघुवंशी, डॉ. प्रदीप सोमेश, डॉ. अजय दंडोतिया, डॉ. आदित्य रावल सहित

विकास राजपूत फ्री गंज स्थित एमपी अस्पताल पहुंचे, जांच दल ने मरीज की फाइल देखी तो गड़बड़ी उसमें मिली।

डॉक्टरों की टीम ने अस्पताल प्रबंधन से पूछा कि 6 बजे डेथ डिक्लियर कर दी तो 6:30 बजे मरीज को क्यों चेक कर रहे थे। मरीज की मौत होने के बाद भी ड्यूटी डॉक्टर के साइन नहीं है। हालांकि, मामले में अस्पताल प्रबंधन ने जांच टीम को कोई जवाब नहीं दिया। टीम ने करीब एक घंटे तक मृतक के भाई और अस्पताल के प्रबंधन के बयान दर्ज कर जांच की। अब ये जांच दल अपनी रिपोर्ट बनाकर सीएमएचओ को पेश करेगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई सीएमएचओ करेंगे।

नेपानगर पंप पर लगी वाहनों की कतार, टैंकर नहीं पहुंची, इमरजेंसी कोटे से दे रहे 100 का पेट्रोल

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● नेपानगर में सोमवार को पेट्रोल की कमी के कारण नेपा मिल पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। यहां बाइक चालकों को इमरजेंसी कोटे से केवल 100 रुपए का पेट्रोल दिया जा रहा है। पेट्रोल पंप कर्मचारियों के अनुसार, यह समस्या टैंकरों के अनियमित आगमन के कारण उत्पन्न हुई है। वर्तमान में पेट्रोल के टैंकर पांच दिन में एक बार ही पहुंच रहे हैं, जिससे आपूर्ति बाधित हो रही है। नेपा मिल के पेट्रोल पंप का संचालन कर रहे चंद्रकांत बावस्कर ने बताया कि पेट्रोलियम कंपनियों ने दाम बढ़ने के कारण उत्पादन कम कर दिया है। इसके अलावा, टैंकर भी आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज टैंकर आने की संभावना है। बावस्कर ने आगे बताया कि उनके पास इमरजेंसी कोटे में लगभग 1500 लीटर पेट्रोल शेष है, जिसे वे एचपी का चला रहे हैं। नेपा मिल में भी पेट्रोल उपलब्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी विभागों के वाहनों के लिए एक इमरजेंसी कोटा होता है और इसी कोटे से आम लोगों को 100-100 रुपए का पेट्रोल दिया जा रहा है।

बुरहानपुर जिले में आज की स्थिति में सिर्फ नेपानगर में समस्या आई है। यहां दो पेट्रोल पंप हैं। एक नेपा मिल का दूसरा नायरा पंप है। नेपा मिल के पेट्रोल पंप संचालक चंद्रकांत बावस्कर के अनुसार डीपो से टैंकर पांच दिन में एक बार आ रहा है इसलिए समस्या आ रही है। पेट्रोलियम कंपनियों ने प्रोडक्शन कम कर दिया है। आज शाम तक डीपो से माल आने की कही जा रही है। बाइक चालकों को 100 रूपए का पेट्रोल दे रहे हैं। टैंकर आने पर इसे बढ़ा दिया जाएगा।

होटल-होमस्टे में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य - निगमायुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में अब होटल और होमस्टे संचालकों के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। साथ ही महापौर मुकेश टटवाल ने शहर के वार्डों में 'स्वच्छता में शक्ति, उज्जैन की भक्ति' नामक विशेष अभियान का शुभारंभ किया है। धार्मिक नगरी उज्जैन में प्रशासन ने स्वच्छता और जल संरक्षण के लिए दोहरी रणनीति अपनाई है। एक ओर जहां सभी होटल और होमस्टे में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने पर जोर दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के विभिन्न वार्डों में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है।

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने शहर के प्रमुख होटल संचालकों के साथ एक बैठक की, जिसमें लगभग 25 व्यवसायी शामिल हुए। आयुक्त ने भविष्य में संभावित जल संकट को देखते हुए प्रत्येक होटल और होमस्टे में अनिवार्य रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने पर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि

बारिश का पानी भूजल स्तर को बनाए रखने का सबसे प्रभावी तरीका है। बैठक में उपस्थित सभी संचालकों ने 10 दिनों के भीतर यह प्रणाली स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। उज्जैन में लगभग 700 होटल और होमस्टे हैं और इन सभी को इस नियम का पालन करना होगा। आयुक्त ने उन्हें अपने प्रतिष्ठानों में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने, नालियों की नियमित सफाई करने, डस्टबिन रखने और कचरे का समय पर निस्तारण करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, शहर आने वाले श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने को कहा गया।

इसी क्रम में, स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से महापौर मुकेश टटवाल ने 'स्वच्छता में शक्ति, उज्जैन की भक्ति' विशेष अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के तहत सोमवार को एक साथ 6 वार्डों में श्रमदान किया गया और जनता के साथ संवाद स्थापित किया गया। अभियान के दौरान कोलूखेड़ी स्लम बस्ती, मेट्रो टॉकीज क्षेत्र, छत्री चौक से लखेड़वाड़ी, विष्णुपुरा, जाली मेमोरियल स्कूल और दो तालाब क्षेत्रों में सफाई कार्य किए गए। इसमें नालियों की सफाई, पानी के लीकेज की मरम्मत और गंदे पानी की शिकायत भी शामिल थी।

नगर पालिका अध्यक्ष भारती पाटील ने पीआईसी भंग की

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●बुरहानपुर नगर पालिका अध्यक्ष भारती विनोद पाटील ने साढ़े तीन साल पहले गठित प्रेसीडेंट-इन-काउंसिल (पीआईसी) को भंग कर दिया है। उन्होंने इस संबंध में नगर पालिका सीएमओ मोहन सिंह अलावा को एक पत्र सौंपा है। पत्र में अध्यक्ष ने कहा है कि नगर विकास की गति को बढ़ाने और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नई पीआईसी का गठन करने का निर्णय लिया गया है। अध्यक्ष पाटील ने 26 अप्रैल की शाम को दिए गए पत्र में सीएमओ को सूचित किया कि उनके द्वारा गठित पीआईसी को तत्काल प्रभाव से भंग किया जा रहा है। यह पीआईसी नगर पालिका प्रशासन के राज्य शासन के नियमों के तहत गठित की गई थी, जिसका उद्देश्य परिषद में विकास कार्यों से संबंधित निर्णय लेना था।

इस फैसले के पीछे अध्यक्ष भारती विनोद पाटील और उनकी ही पार्टी कांग्रेस के पार्षदों के बीच चल रहा विरोध भी एक प्रमुख कारण माना जा

रहा है। पिछले काफी समय से कांग्रेस के पार्षद अपनी ही अध्यक्ष का विरोध कर रहे थे। कुछ समय पहले नगर के चार वार्डों की महिला पार्षदों ने नगर पालिका कार्यालय के सामने 10 दिनों तक धरना प्रदर्शन किया था। उनका आरोप था कि उनके वार्डों में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। बाद में नगर पालिका इंजीनियर ने लिखित में आश्वासन दिया था कि विकास कार्य कराए जाएंगे, जिसके बाद हाल ही में उन वार्डों में काम शुरू हुए हैं।

हाल ही में हुई पीआईसी बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष ने बजट और 20 अन्य प्रस्तावों पर सभी सदस्यों की सहमति की बात कही थी। हालांकि, बाद में चार पार्षदों ने इस बात से पलटते हुए कहा था कि उन्होंने केवल बजट पर सहमति दी थी, अन्य प्रस्तावों पर नहीं। माना जा रहा है कि पार्षदों के इस पलटवार के कारण ही अध्यक्ष ने पीआईसी भंग करने का निर्णय लिया है। हालांकि, अध्यक्ष ने आधिकारिक तौर पर 'शहर विकास की गति को बढ़ाने के लिए बदलाव' को ही इसका कारण बताया है।

न्यूज ब्रीफ

स्टेज केरिज परमिट पर संचालित 15 वर्ष से अधिक पुरानी 72 यात्री बसों के परमिट किए निरस्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आरटीओ इंदौर द्वारा जन सुविधा एवं जन सुरक्षा को देखते हुए इंदौर संभाग में संचालित 15 वर्ष से अधिक पुरानी 136 यात्री बसों के मालिकों को स्टेज केरिज परमिट पर अद्यतन मॉडल की (नवीन वाहन) यात्री बस प्रतिस्थापन कराने हेतु नोटिस जारी किए गए थे। इन वाहन मालिकों को जब पूर्व में ये परमिट जारी किए गए थे तब उन्हें इस शर्त के साथ परमिट जारी किया गया था कि वे परमिट पर किसी भी समय 15 वर्ष से अधिक पुरानी बस का संचालन नहीं करेंगें। किंतु 64 वाहन स्वामियों द्वारा ही समयावधि में परमिट पर अद्यतन मॉडल की (नवीन वाहन) बसें प्रतिस्थापन करायी गई, शेष 72 बस मालिकों द्वारा परमिट पर नवीन बस प्रतिस्थापन नहीं कराया गया है।

इंदौर में NEET (UG) 2026 परीक्षा 3 मई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में आगामी 3 मई को NEET (UG) 2026 परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा के सफल एवं सुचारू आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। इन्हीं तैयारियों समीक्षा के लिये आज वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक एसीएस अनुपम राजन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इंदौर से इस बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीसीपी प्रकाश परिहार, अपर कलेक्टर रोशन राय सहित पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि 3 मई 2026 को आयोजित होने वाली NEET परीक्षा के लिए इंदौर जिले में कुल 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 23,160 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बैठक में बताया गया कि परीक्षा केन्द्रों पर जनरेटर्स की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

विधायक के बाद अब मंत्री राकेश सिंह ने आईएएस अरविंद शाह को धमकाया, डिप्रेशन में अफसर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में नेताओं की बेलगाम भाषा और बर्ताव खुलकर सामने आने लगे हैं। एक के बाद एक घटनाएं सवाल खड़े कर रही हैं कि क्या अफसर सुरक्षित नहीं हैं? ताजा मामला संस्कारधानी जबलपुर का है। यहां से भी सत्ता के अहंकार की चौंकाने वाली कहानी सामने आई है। मंत्री ने आईएएस अफसर से कहा कि एक इशारे पर पूरी सिख कौम तलवारें लेकर तुम्हें खत्म कर देगी। इस घटनाक्रम ने प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है। अपने अपमान से आहत आईएएस अरविंद शाह डिप्रेशन में हैं। उन्होंने इस मामले की पूरी जानकारी मुख्य सचिव अनुराग जैन को दी है। साथ ही भोपाल में एमपी आईएएस एसोसिएशन के सामने अपना पक्ष रखा है, जिसके बाद मामला तूल पकड़ रहा है।

यह मामला 17 मार्च 2026 से शुरू होता है, जब द्बस्र् अरविंद शाह ने जबलपुर नगर निगम में एडिशनल कमिश्नर के साथ जबलपुर स्मार्ट सिटी का प्रभार संभाला। पदभार संभालते ही उन्होंने कर्मचारियों की बैठक बुलाई और कामकाज को ठीक करने के संकेत दिए। मार्च की सैलरी वितरण के दौरान सीनियर अफसरों के निर्देश पर उन्होंने स्मार्ट सिटी के कर्मचारियों के अटेंडेंस रिकॉर्ड की जांच करवाई। इसमें छह कर्मचारी ऐसे पाए गए, जिनकी अनुपस्थिति का ठोस कारण नहीं था। कुछ तो बिना सूचना दिए ही गायब थे। नियमों के मुताबिक, इन कर्मचारियों का वेतन स्पष्टीकरण मिलने तक रोक दिया गया।

दिलप्रीत कौर विवाद की कड़ी-इन कर्मचारियों में एक नाम था- दिलप्रीत कौर भल्ला का। रिकॉर्ड के मुताबिक, वह न तो किसी बैठक में शामिल हुई थीं और न ही अनुपस्थिति का कोई कारण बताया था। 21 अप्रैल को आयुक्त ने निर्देश दिए कि दिलप्रीत कौर का वेतन सशर्त जारी हो। उन्हें काम सौंपा जाए और उनकी उपस्थिति पर नजर रखी जाए। इसके बाद 22 अप्रैल को आईएएस अरविंद शाह ने दिलप्रीत कौर को सहायक अभियंता कविश मिश्रा की मौजूदगी में दफ्तर में बुलाया। यह उनकी पहली मुलाकात थी। बातचीत के दौरान जब अरविंद शाह ने पूछा कि वे ष्टश्वह्र के रूप में कब से कार्यरत हैं। इसके जवाब में दिलप्रीत ने कहा कि करीब 3-4 महीने से, जबकि हकीकत यह थी कि शाह को इस पद पर आए सिर्फ एक महीना हुआ है। यहां से यह साफ हो गया कि दिलप्रीत नियमित रूप से दफ्तर नहीं आ रही थीं। यहां से दिलप्रीत चली गईं और आईएएस शाह नियमित कामकाज निपटाने लगे, तभी अचानक उनके पास फोन आया और 22 अप्रैल का दिन उनके करियर का सबसे खराब दिन बन गया।

30 मिनट तक अपमान -जैसे ही मंत्री को पता चला कि सामने खड़े अधिकारी स्मार्ट सिटी के ष्टश्वह्र हैं, उन्होंने गुलदस्ता लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद जो हुआ, वह प्रशासनिक मर्यादाओं को तार-तार कर देने वाला है। मंत्री ने कहा कि एक इशारे पर पूरी सिख कौम तलवार लेकर तुम्हारे पीछे पड़ जाएगी और तुम्हें मार देगी। मंत्री ने शाह के द्बस्र् चयन पर भी सवाल उठाए। यह तक कह दिया कि उन्हें सजा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से बात कर ली गई है। तुम्हें सिंगरौली (शाह का गृह नगर) तक परेड कराकर भेजा जाएगा।

तीन बार मांगी माफी -स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई थी कि द्बस्र् अरविंद शाह ने मंत्री, संबंधित महिला कर्मचारी और उसके पिता तीनों से कम से कम तीन-तीन बार बिना किसी शर्त के माफी मांगी। नगर निगम आयुक्त राम अहिरवार ने बीच-बचाव करते हुए मंत्री को समझाने की कोशिश की कि शाह एक पेशेवर अधिकारी हैं और किसी महिला या जनप्रतिनिधि का अपमान नहीं कर सकते, लेकिन मंत्री का गुस्सा शांत नहीं हुआ। हालात बिगड़ते देख जबलपुर कलेक्टर आईएएस राघवेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे और स्थिति संभालने की कोशिश की। आरोप है कि मंत्री ने उनकी भी नहीं सुनी और पूरा घटनाक्रम उसी आक्रामक अंदाज में चलता रहा।

और फिर... सत्ता का बुलावा

दरअसल, 22 अप्रैल को ही कुछ घंटों बाद घटनाक्रम ने खतरनाक मोड़ ले लिया। IAS अरविंद शाह को अचानक मंत्री राकेश सिंह के बंगले पर बुलाया गया। मंत्री बेहद गुस्से में थे। हालात को भांपते हुए नगर निगम कमिश्नर राम अहिरवार ने अरविंद शाह को फोन पर सलाह दी कि वे किसी भी तरह स्थिति को शांत करें और बिना शर्त माफी मांग लें। अरविंद शाह सम्मान स्वरूप गुलदस्ता लेकर मंत्री आवास पहुंचे। वहां नगर निगम आयुक्त पहले से मौजूद थे। मंत्री राकेश सिंह कर्मचारी दिलप्रीत के मामले को लेकर आग बबूला हो रहे थे।

डेली कॉलेज में नए संविधान से चुनाव होंगे, सरकार ने दी नए संशोधन को मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● डेली कॉलेज चुनाव के संविधान संशोधन को फर्म एंड सोसायटी ने मंजूरी दे दी है। शासन की यह मंजूरी मुख्य चुनाव अधिकारी हाईकोर्ट के रिटायर जस्टिस सुशील गुप्ता के पास पहुंच गई है। इसके बाद तय हो गया है कि केवल अब दो कैटेगरी में ही चुनाव कराए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया 28 व 29 अप्रैल को होगी और वोटिंग व काउंटिंग 21 मई को होगी। नए संविधान के मुताबिक चुनाव अब केवल न्यू डोनर कैटेगरी टू बी टू से के लिए चुनाव होगा। वहीं पुराने डोनर की कैटेगरी टू बी वन से दो सदस्यों को चुनाव होगा।

ओडीए से अब चुनाव नहीं- नए संविधान के मुताबिक अब ओडीए (ओल्ड डेलियंस एसोसिएशन) से चुनाव नहीं होंगे। पहले इस कैटेगरी टू सी से दो सदस्यों के लिए चुनाव होते थे और वह बोर्ड में जाते थे। लेकिन नए संविधान के मुताबिक प्राथमिकता से इस एसोसिएशन के प्रेसीडेंट व सचिव ही बोर्ड में जाएंगे और एक सदस्य प्रतिष्ठत छात्र को भी बोर्ड में लिया जाएगा। लेकिन यह चयन प्रक्रिया होगी और इसमें निर्वाचन नहीं होगा।

अब नजरें विरोधी गुट पर- वहीं अब नजरें विरोधी गुट पर है। ओडीए में एक गुट लगातार नए संविधान का विरोध कर रहा है। इनका कहना है कि इससे ओडीए संस्था के असित्तव पर संकट आ जाएगा। वहीं नए संविधान को लेकर बोर्ड व प्रबंधन का कहना है कि इससे दो बार चुनाव की स्थिति नहीं होगी और ओडीए जो अपने प्रेसीडेंट और सचिव चुन रहा है वहीं बोर्ड में भी आ जाएंगे तो उनकी बातें और समस्याएं, सुझाव प्रमुखता से बोर्ड में उठ सकेंगे। माना जा रहा है कि जल्द ही विरोधी गुट इसे लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगा सकता है। इनका कहना है कि जब चुनाव शेड्यूल जारी हुआ 21 अप्रैल को तब पुराना संविधान लागू था, इसकी सत्यापित कॉपी फर्म एंड सोसायटी से 23 अप्रैल को ली है।

फुटपाथों पर कब्जा, सड़कों पर पार्किंग का दबाव, शहर की रफ्तार पर ब्रेक

राजवाड़ा व प्रमुख बाजार चपेट में, कार्रवाई आधी-अधूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल कर चुका इंदौर अब अपनी ही सड़कों और फुटपाथों पर फैलती अव्यवस्था से जूझ रहा है। शहर के प्रमुख बाजारों और रिहायशी इलाकों में फेरीवालों और ठेले संचालकों के बढ़ते कब्जे के साथ दुकानों के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग ने हालात बिगाड़ दिए हैं। नतीजा- जहां पैदल चलना मुश्किल हो गया है, वहीं सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आते हैं।

पॉश इलाकों में भी हाल बेहाल: शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा से लेकर अन्नपूर्णा रोड, सपना-संगीता रोड, छावनी, मल्हारगंज, खजराना, पटनीपुरा और मालवा मील तक स्थिति गंभीर बनी हुई है। यही नहीं, आनंद बाजार, पलासिया, एमआईजी और विजयनगर जैसे पॉश इलाकों में भी फुटपाथ अतिक्रमण की चपेट में हैं। फुटपाथों पर सब्जी-फल के ठेले,

फास्ट फूड स्टॉल और अस्थायी दुकानें जम चुकी हैं, जबकि दुकानदार ग्राहकों के वाहनों को सड़क पर खड़ा करवा रहे हैं, जिससे रोजाना जाम लगना आम बात हो गई है। फुटपाथों के अतिक्रमण ने पैदल लोगों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। इससे दुर्घटनाओं काखतरा बढा है। बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

कार्रवाई अभियान-नगर निगम समय-समय पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाता है, लेकिन यह कार्रवाई कुछ घंटों या दिनों में ही सिमट जाती है। अभियान खत्म होते ही हालात फिर पहले जैसे हो जाते हैं। स्ट्रीट वेंडिंग के लिए निर्धारित जोन और नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन जमीनी स्तर पर नजर नहीं आता। बिना अनुमति ठेले लग रहे हैं और ट्रैफिक पुलिस व निगम की सख्ती भी प्रभावी नहीं दिख रही। व्यवस्थित दुकानदार इस अव्यवस्था से नाराज हैं, वहीं आम नागरिकों को जाम और असुविधा झेलनी पड़ रही है। कई बार विवाद और झड़प की स्थिति भी बन जाती है, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी असर पड़ता है।

समाधान क्या?

विशेषज्ञों के अनुसार स्थायी समाधान के लिए- फेरीवालों के लिए तय स्थानों का सख्ती से पालन। दुकानों के लिए अनिवार्य पार्किंग व्यवस्था। नियमित और निरंतर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई। ट्रैफिक प्रबंधन को मजबूत करना जरूरी है। इंदौर की पहचान केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यातायात और सार्वजनिक स्थानों की सुव्यवस्था भी उतनी ही अहम है। फुटपाथ पर अवैध वसूली, मामला थाने तक राजवाड़ा क्षेत्र में फुटपाथ अतिक्रमण को लेकर विवाद बढ़ गया है। आरोप है कि नगर निगम के रिमूवल सुपरवाइजर पर फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों से अवैध वसूली की जा रही थी। विरोध करने पर मारपीट और अभद्रता की घटना सामने आई। रविवार को प्रभावित लोगों का एक दल सराफा थाने पहुंचा और एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया। मामले की जांच की जा रही है।

आईडीए के लिए मंत्रीजी की 'टीम' तैयार : नाम भी तय, पद भी तय, फिर बाकी नेताओं का क्या?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के निगम-मंडल-प्राधिकरण-आयोग में नियुक्तियों का सिलसिला जारी है, लेकिन इंदौर विकास प्राधिकरण के पदों पर नाम तय नहीं हो पा रहे। इसका कारण इंदौर के भाजपा नेताओं की आपसी खींचतान बताई जा रही है। इन नियुक्तियों में सबसे बड़ा रोड़ा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बन रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मंत्रीजी शुरू से ही अपने खास समर्थक हरिनारायण यादव को आईडीए अध्यक्ष बनवाने की इच्छा रखते हैं। इसके लिए लगातार कोशिश भी जारी है और कई तरह की रणनीति भी बनाई जाती रही है। बीच में हरिनारायण यादव की आईडीए में नियुक्ति हुई भी, लेकिन उपाध्यक्ष पद ही मिल पाया। इससे यादव

काफी नाराज हुए थे और फिर मंत्रीजी पर नियुक्ति के लिए दबाव बनाया था। इसके बाद मंत्रीजी यादव को अध्यक्ष बनाने की कोशिश में जुट गए।

मंत्रीजी ने हरिनारायण यादव को सीएम के करीब लाने की रणनीति भी बनाई। इसी का नतीजा निकला कि कुछ समय पहले हरिनारायण यादव के सीएम डॉ.मोहन यादव के रिश्तेदार होने की खबरें भी आईं। अब मंत्रीजी ने यादव सहित अपने अन्य समर्थकों के सपोर्ट के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला और नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा की टीम बना ली है। मंत्रीजी ने अपने समर्थन में एक टीम खड़ा करने के बाद उपाध्यक्ष के दोनों पदों के साथ ही संचालक के पद पर भी अपने समर्थक को लाने की कोशिश में जुट गए। सूत्र बताते हैं कि मंत्रीजी के कहने से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को उम्मीदवार विहीन करने वाले अक्षय कांति बम से उपाध्यक्ष पद का वादा किया गया है। पिछले दिनों मंत्रीजी ने बम के लिए दिल्ली में बड़ी जमावट भी लगाई थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मिलवा दिया और बम के कार्यक्रम में ओम बिरला को भी बुलवा लिया। मंत्रीजी चाहते हैं कि अध्यक्ष के अलावा दोनों उपाध्यक्ष के पदों पर भी उनके समर्थक ही आएं। एक नाम तो अक्षय कांति बम का हो गया, अब दूसरा नाम दीपक जैन टीनू का तय किया गया है। टीनू जैन को पहले भाजपा नगर अध्यक्ष बनाने की कोशिश भी हुई थी।

गर्मी को लेकर प्रशासन अलर्ट

आइसक्रीम पार्लर, जूस सेंटर सहित आरओ प्लांट, बर्फ और कोल्ड ड्रिंक फैक्ट्रियों की भी होगी जांच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● होली पर्व के दौरान चलाए गए सुरक्षित होली अभियान की तर्ज पर अब जिले में गर्मी के मौसम को देखते हुए खाद्य एवं पेय पदार्थों की विशेष जांच शुरू की जा रही है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आइसक्रीम, ज्यूस और अन्य मौसमी खाद्य पदार्थों के विक्रय स्थलों की निगरानी और जांच की जाएगी। इसमें आरओ प्लांट, बर्फ, आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक बनाने वाली फैक्ट्रियों की भी जांच की जाएगी।

जूस, आइसक्रीम, बर्फ की गुणवत्ता, केमिकल के उपयोग और पेयजल की शुद्धता की जांच कर आमजन को सुरक्षित खान-पान उपलब्ध कराने पर जोर

रहेगा। जिला प्रशासन ने गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए खाद्य सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि अब मौसमी खाद्य पदार्थों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। आइसक्रीम पार्लर, जूस सेंटर और ठंडे पेय पदार्थों के विक्रय स्थलों पर लगातार जांच अभियान चलाया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बर्फ के निर्माण में उपयोग किए जा रहे पानी की गुणवत्ता की जांच की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी अशुद्ध या दूषित पानी का इस्तेमाल न हो।

महिला आईएएस फार्महाउस जुआकांड में घिरी पुलिस

हाईकोर्ट ने पूछा आईएएस के बयान क्यों नहीं हुए, टीआई के दबाव वाले आरोप गंभीर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर हाईकोर्ट ने महिला आईएएस के फार्महाउस पर जुआकांड मामले में पुलिस पर सख्त सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने पूछा कि आईएएस के बयान क्यों नहीं लिए गए। टीआई के दबाव के आरोपों को भी गंभीर बताया गया है। मानपुर में महिला आईएएस के फार्महाउस से 10 मार्च की रात को पकड़े गए जुआकांड पर हाईकोर्ट इंदौर ने तल्ख टिप्पणियां की हैं। इसी केस के कारण मानपुर टीआई लोकेंद्र सिंह हिहोरे को एसपी ने सस्पेंड किया था। हाईकोर्ट ने कहा कि आईएएस के बयान क्यों नहीं हुए, इस मामले में टीआई के आरोप गंभीर हैं कि उन्हें दबाव में हटाया गया है।

इंदौर में मप्र वित्त निगम की एमडी व 2009 बैच की आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस पर 10-11 मार्च की दरमियानी रात जुआकांड पकड़ा गया। इसके बाद 11 मार्च को टीआई मानपुर लोकेंद्र सिंह हिहोरे के साथ ही एसआई मिथुन ओसारी और एएसआई रेशम गिरवाल को एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया ने सस्पेंड कर दिया। इस पर टीआई हिहोरे ने हाईकोर्ट में याचिका की है। इस पर सोमवार को लंबी सुनवाई हुई। इसमें हाईकोर्ट ने पुलिस उच्च अधिकारियों की पूरी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा कर दिया।

टीआई ने क्या लगाए आरोप, क्या है मामला-टीआई हिहोरे को 11 मार्च को सस्पेंड कर दिया गया। साथ ही एसआई ओसारी और एएसआई गिरवाल को भी। हालांकि, 16 मार्च को ओसारी को बहाल कर दिया और गिरवाल को भी, क्योंकि गिरवाल पहले से छुट्टी पर थी। बाद में इसमें एसआई त्रिलोक बोरासी, एएसआई निलेश यादव व सुरेश भदौरिया को लाइन अटैच किया गया। उधर टीआई ने जब

सस्पेंशन के खिलाफ याचिका दायर की तो 18 मार्च की शाम उन्हें बुरहानपुर अटैच करने का आदेश हो गया। टीआई के आरोप हैं कि जुआकांड पकड़ने के बाद जब वह थाने पहुंचे तो दबाव आया कि आईएएस का नाम नहीं बताना है और घटनाक्रम अन्य जगह का एफआईआर में दिखा दो। जब मैंने यह मना कर दिया और एफआईआर में सभी सच लिखा तो मुझे उसी दिन सस्पेंड कर दिया गया। बाद में जब 18 मार्च को याचिका दायर की तो इसके बदले में इंदौर से बुरहानपुर अटैच कर दिया।

इस पूरे मामले में इंदौर हाईकोर्ट बेंच ने सोमवार को करीब दो घंटे तक सुनवाई की। इसमें गंभीर सवाल उठाया गया कि जब इसकी प्राथमिक जांच हुई तो आईएएस के बयान क्यों नहीं लिए गए। मौके के सीसीटीवी व जानकारी कहां है, क्या इस फार्महाउस पर पहले से ही जुआ चल रहा था या फिर उसी घटना वाले दिन ही यह हुआ और पकड़ा गया। शासन पक्ष ने बताया कि आईएएस के फार्महाउस पर सीसीटीवी नहीं है। इस पर हाईकोर्ट ने हैरानी जताई कि आजकल छोटे-छोटे घरों में यह होते हैं और आईएएस के फार्महाउस पर सीसीटीवी नहीं है। हाईकोर्ट ने बार-बार कहा कि टीआई ने जो याचिका लगाई, इसमें गंभीर आरोप लगाए हैं कि उच्च अधिकारियों ने आईएएस के दबाव में यह कार्रवाई की। क्योंकि मैंने एफआईआर में घटना स्थल नहीं बदला। यह आरोप बेहद गंभीर है और इस पर कोई साफ जवाब शासन की ओर से नहीं है। टीआई मानपुर हिहोरे ने यह भी आरोप लगाए कि 15 मार्च को सिमरोल में बड़ा जुआ पकड़ा, लेकिन उन टीआई पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

क्या संदेश देना चाहते हैं उच्च पुलिस अधिकारी

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि उच्च अधिकारी कुछ बोले वह नहीं करें या उनके बोलने पर जुआ पकड़े तो अलग बात थी। टीआई पेट्रोलिंग पर था, सूचना मिली, उच्च अधिकारी से वारंट लिया और वह छापा मारने गया और जुआ पकड़ा। फिर सस्पेंड क्यों किया, क्या एफआईआर में जगह नहीं बदली इसलिए। इस घटना से तो यही संदेश जाता है कि उच्च अधिकारी की बात नहीं मानी, इसलिए उसी दिन सस्पेंड कर दिया। ऐसे तो कोई पुलिस वाला ड्यूटी ही नहीं करेगा, जुआ पकड़ने पर उसे सस्पेंड किया गया।

टीआई ने लगाई है दो याचिकाएं-इस मामले में टीआई ने दो याचिकाएं दायर की हैं। पहली में सस्पेंशन को चुनौती दी है और दूसरी में विभागीय जांच के तहत जारी की गई चार्जशीट को लेकर भी चुनौती दी गई है। अभी चार्जशीट मामले में सुनवाई होना बाकी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।